



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 12, 2008/फाल्गुन 22, 1929

No. 88]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 12, 2008/PHALGUNA 22, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2008

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., श्रीलंका तथा वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/1/2007-डीजीएडी.—मै. इंडो एशियन फ्यूजगियर लि., मै. हावेल इंडिया लि. और मै. ओसराम इंडिया प्रा. लि. ने सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधित) अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तु की पहचान, उस पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन. गण., श्रीलंका और वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीकेडी या एसकेडी स्थितियों में सहयोगित हों अथवा नहीं, कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों, ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक के साथ अथवा उसके बिना के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जांच की शुरुआत और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुसंधान किया गया है ।

क. प्रक्रिया :

2. निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया गया है :-

- प्राधिकारी को उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत—मै. इंडो एशियन फ्यूज गियर लि., मै. हावेल इंडिया लि. और मै. ओसराम इंडिया प्रा. लि. से घरेलू उद्योग की ओर से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई थी जिसमें चीन जन. गण., श्रीलंका और वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीकेडी या एसकेडी स्थितियों में सहयोगित हों अथवा नहीं, कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों, ब्लास्ट/कंट्रोल गियर/चोक के साथ अथवा उसके बिना (जिन्हें एतदपश्चात् सीएफएल या संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है ।
- प्राधिकारी ने संबंधित नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावासों/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया था ।

- (iii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से किए गए आवेदन द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 30 अगस्त, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था और जिसके द्वारा नियमावली के उपनियम 6(1) के अनुसार पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने जिसे यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीएफएल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत की गई थी ।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावासों, संबद्ध देश से ज्ञात निर्यातकों और आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार आयातकों तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 30 अगस्त, 2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की तारीख के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अनुरोध किया था ।
- (v) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध कराई थीं ।
- (vi) भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी ।
- (vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं ।

मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

मै. छांगचुन इलेक्ट्रिक वायर एंड बल्ब फेक्ट्री, चीन

मै. फ्यूजियान फूझोऊ लाइट बल्ब फेक्ट्री, चीन

मै. गुआनघू प्लैश लाइट इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन, चीन

मै. गुआनघू पेनयू सीगुल प्लैस लाइट इंडस्ट्री कं., चीन

मै. हेनान एनियांग बल्ब फेक्ट्री, चीन

मै. जियानसु जुझोऊ एवरलास्टिंग लाइटिंग इलेक्ट्रिकल एक्वूपमेंट होल्डिंग कं. लि., चीन

मै. लेजिंग इलेक्ट्रिक बल्ब फेक्ट्री, चीन

मै. संधाई यामिंग इलेक्ट्रिक लैंप वर्क्स कं. लि. चीन

मै. चंझू रेडसन इलेक्ट्रिकल एप्लाइस मैनुफैक्चरिंग कं. लि., चीन

मै. झेजिंग सनलाइट ग्रुप कंपनी लि., चीन

मै. रांग डांग सोर्स एंड वेक्यूम फ्लास्क ज्वाइट स्टॉक कंपनी, वियतनाम ।

मै. सियरनजी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी प्रा.लि., श्रीलंका ।

मै. कथावासी (प्रा.) लि. श्रीलंका ।

क. निम्नलिखित निर्यातक/आयातक कंपनियों से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ है ।

निर्यातक

मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन

मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरिसेंट लैम्प फैक्ट्री, चीन

मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.

मै. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

मै. शेन के वांग लंका (प्रा.) लि. श्रीलंका

आयातक

मै. स्टारलाइट लाइटिंग लिमिटेड, नासिक ।

मै. फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक इंडिया लि.

मै. ओसराम इंडिया (प्रा.) लि.

मै. क्राम्पटन ग्रीक्स लि.,

मै. विप्रो. लि.

ख जांच शुरुआत संबंधी अभ्यावेदन ईएसएलएमए इंडिया, क्राम्पटन ग्रीक्स, बजाज इलेक्ट्रिकल, विप्रो, फिलिप्स इलेक्ट्रिकल लि. और एशियन इलेक्ट्रॉनिक्स लि. तथा अन्य पक्षों, जिनके नाम नीचे (viii) में दिए गए हैं, द्वारा संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ था । मै. सुकियान देडा लाइटिंग कं. लि., जियांगसु, चीन और हांगझाऊ लिनान डोंगफेंग लाइटिंग फैक्ट्री, चीन मै भी जांच शुरुआत का उत्तर दिया है और उत्तर देने के लिए समझ का अनुरोध किया है, जिसे प्रदान किया गया था । तथापि, इन कंपनियों ने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।

(viii) इसके अलावा, नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत स्थित निम्नलिखित पक्षकारों को प्रश्नावली भेजी गई थी ।

- मै. डेको गोल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स लि., मोरबी, गुजरात ।
- मै. एच.क्यू. लैम्प मैन्युफेक्चरिंग कंपनी, हरिद्वार, उत्तरांचल ।
- मै. डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश ।
- मै. सोनेरा टाइम एंड लाइट मैन्यु. कं. राजकोट, गुजरात
- मै. क्लॉक मैन्युफक्चरर्स एसोसिएशन (इंडिया), मोरबी, गुजरात ।
- मै.अजन्ता मैन्युफक्चरिंग लि., मोरबी, गुजरात ।
- मै. अजन्ता लि., मोरबी, गुजरात ।
- मै. अजन्ता इंडिया लि., मोरबी, गुजरात ।
- मै. सिआमा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एप्लाइन्स मैन्यु. एसोसिएशन, नई दिल्ली
- मै. सूर्या रोशनी लि., नई दिल्ली ।
- मै. शिल्पा इलेक्ट्रिकल प्रा. लि., पेरियामेट, चेन्नई ।
- मै. समय इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा.लि., मोरबी, गुजरात ।
- मै. क्रॉम्पटन ग्रिक्स लि. लाइटिंग डिविजन, बड़ौदा, गुजरात ।
- मै. एच.क्यू. लैम्प मैन्यु. कंपनी, हरिद्वार, उत्तरांचल ।
- मै. स्टारलाइट लाइटिंग लि., नासिक, महाराष्ट्र ।
- मै. मोरबी चेम्बर्स आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, तुलसी शॉपिंग सेंटर, मोरबी, गुजरात ।
- मै. क्राम्पटन ग्रिक्स लि., मुंबई ।
- मै. बजाज इलेक्ट्रिकल लि., मुंबई ।
- मै. विप्रो. लिमिटेड, बंगलूर ।
- मै. फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लि., गुडगांव, हरियाणा ।
- मै. एशियन इलेक्ट्रॉनिक्स, महाराष्ट्र ।
- मै. जे.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एलाइड लि., चेन्नई ।
- मै. देवराज एंटरप्राइजेज (प्रा.) लि., बोरीवली (प.), मुंबई ।

क. इस आयातक प्रश्नावली के उत्तर और/या टिप्पणियां निम्नलिखित कंपनियों से प्राप्त हुई हैं :-

- मै. डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश ।

मै. एक क्यू. लैम्प मैनुफैक्चरिंग कंपनी, हरिद्वार, उत्तरांचल ।

(ix) प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए थे, जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा गया था ।

(x) पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था ।

(xi) सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आधारित उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत झलत की गई थी, क्योंकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

(xii) जांच 1 अप्रैल, 2006 से शुरू होकर 31 मार्च, 2007 (जांच अवधि) तक की अवधि में की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 और जांच अवधि शामिल थी ।

ख. विद्युत्चुम्बकीय उत्प्रेषण

3. विद्युत्चुम्बकीय उत्पाद ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक के साथ अथवा उसके बिना कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप है, चाहे सीकेडी या एसकेडी स्थितियों के साथ संयोजित हो अथवा नहीं । ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक के बिना असंयोजित सीएफएल में शील्ड ट्यूबलर सेल होता है, जो लैंप आधार के साथ अथवा उसके बिना होता है । तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप (i) अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक के साथ समेकित प्रकार के और (ii) अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक के बिना असमेकित प्रकार के होते हैं ।

4. सीएफएल को आम तौर पर एकल अंत वाले फ्लोरेसेंट लैंप के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके साथ छोटे व्यास की एक झुकी हुई डिस्चार्ज ट्यूब लगी होती है तथा इसमें प्रचालन के लिए अंतर्निहित "ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक" के साथ अथवा बिना काफी कॉम्पैक्ट रूप बनाते हैं । विद्युत्चुम्बकीय उत्पाद में निम्नलिखित शामिल हैं :-

क. समेकन/समेकित अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक के साथ सीएफएल । इन्हें सेल्फ ब्लेस्टेड के रूप में भी जाना जाता है । ये संपूर्ण और प्रयोग के लिए तैयार इकाइयां हैं ।

ख. असमेकित सीएफएल जिनमें अंतर्निहित ब्लास्ट/कंट्रोल गेयर/चोक नहीं होते हैं । यह ऐसे सीएफएल होते हैं जिनमें लाइट फिटिंग में स्थायी रूप से वायर्ड बाहरी ब्लास्ट के साथ विद्युत्तीय रूप से जोड़ा गया होता है । इन मामलों में ब्लास्ट और सीएफएल को अलग-अलग उत्पाद के रूप में उत्पादित और बेचा जाता है और किसी भी उत्पाद को प्रतिस्थापक के रूप में प्रतिस्थापित किया जा सकता है ।

ग. ब्लास्ट/चोक/कंट्रोल गेयर के बिना असंयोजित सीएफएल में लैम्प बेस के साथ/उसके बिना शील्ड ग्लास ट्यूबलर होता है जो प्रसंस्कृत अथवा उसके बिना होता है । इसका आयात बेयर सेल अथवा फिलामेंट, कैप आदि जैसे अन्य संघटकों के साथ अथवा उनके बिना पहले से फिट किए गए और सीएफएल का हिस्सा बनाने वाले भाग के रूप में किया जा सकता है । शील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं ।

5. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तुएं विभिन्न किस्मों और प्रकारों में बड़ी संख्या में उत्पादित की जा रही हैं और बेची जा रही हैं । याचिकाकर्ता ने संबद्ध वस्तुओं को निम्नलिखित 3 श्रेणियों में श्रेणीबद्ध किया है :-

- क. असंयोजित सीएफएल, चाहे आगे प्रसंस्कृत हो अथवा नहीं;
- ख. बाहरी चोक के साथ प्रयोग के लिए तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप; और
- ग. आंतरिक चोक के साथ प्रयोग के लिए तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप ।

6. याचिकाकर्ता ने आगे यह बताया है कि सीएफएल का उत्पादन और बिक्री अलग-अलग किस्मों में काफी मात्रा में की गई है । तदनुसार याचिकाकर्ता ने दावा किया कि विभिन्न उत्पाद किस्मों को ऊपर उल्लिखित 3 श्रेणियों और वेटेजेज के अनुसार अलग-अलग किया जा सकता है । इन्हें निम्नलिखित उत्पाद नियंत्रण प्रणाली (पीसीएन प्रणाली) में अलग-अलग किस्मों के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है । पालन की गई पद्धति का नीचे वर्णन किया गया है ।

क. सर्वप्रथम उत्पाद को सीएफएल की निम्नलिखित किस्मों में श्रेणीबद्ध किया गया है ।

- 1- लैंप बेस के बिना शील्ड ग्लास
- 2- चोक के बिना सीएफएल
- 3- चोक के साथ सीएफएल

पीसीएन में दिया गया पहला अंक सीएफएल की श्रेणी बताता है ।

ख. दूसरी बात यह है कि सीएफएल के विभिन्न वेटेजेज का संगत अवधि के दौरान आयात किया गया है । प्रत्येक श्रेणी के भीतर सीएफएल की विभिन्न किस्मों को सीएफएल की वेटेजेज पर विचार करते हुए अभिज्ञात किया गया है । आयातित सीएफएल की वेटेजेज अभिज्ञात करने के लिए 2 अंकीय कोड का प्रयोग किया गया है ।

7. ऊपर वर्णित पद्धति पर विचार करते हुए प्रत्येक ज्ञात आयात सौदे के साथ पीसीएन को अभिज्ञात किया गया है । उदाहरणार्थ :-

उत्पाद श्रेणी	कोड	वेटेज	पीसीएन
लेम्प बेस रहित सीलड ग्लास	1	20	120
घोक रहित सीएफएल	2	05	205
घोक सहित सीएफएल	3	36	336

8. अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन किया है कि सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल्स कॉम्पैक्ट फ्लारेसेंट लैंप नहीं होते हैं और इसलिए इन्हें विद्याराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। यह भी तर्क दिया गया है कि सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल्स वस्तुतः कॉम्पैक्ट फ्लारेसेंट लैंपों के उत्पादन के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री निविष्टि हैं और सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल्स तथा कॉम्पैक्ट फ्लारेसेंट लैंप दो अलग-अलग उत्पाद हैं।

9. जांच से यह पता चला है कि सीएफएल के उत्पादन में प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया निम्नानुसार है :-

क. सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल की स्थिति तक की उत्पादन प्रक्रिया में ग्लास ट्यूब कटिंग, ग्लास ट्यूब को धोना एवं सुखाना, ट्यूब को मोड़ना, कोटिंग, अंतिम सफाई, ट्यूब बेकिंग, एग्जास्ट ट्यूब कटिंग, माउंट मेकिंग, ट्यूब सीलिंग, फ्यूजन, एग्जास्टिंग (वैक्यूमाइजेशन, ड्रापिंग मर्करी, अंतर्निहित गैसों भरना, कैप्सूल को सक्रिय करना), कैपिंग/बेसिंग शामिल हैं।

ख. प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल (घोक या कोर लैंप रहित) सीएफएल हेतु सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल में उत्पादन प्रक्रिया में स्टार्टर एवं कैपिसिटर कनेक्शन (केवल दो पिन वाले कोर लैंप के मामले में, परंतु 4 पिन कोर लैंप में स्टार्टर और कैपिसिटर जरूरी नहीं होता है), बॉटम कैप फिक्सिंग, कैप बेस क्रिम्पिंग, तार काटना, पिन लगाना, प्लास्टिक कैप नोचिंग, एजिंग शामिल हैं।

ग. प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल (घोक सहित) के लिए उत्पादन प्रक्रिया में घोक लगाना (घोक को या तो बाहर से लिया जा सकता है या फिर पाय्युलेटिड पीसीबी से भवन के अंदर उत्पादित किया जा सकता है), प्लास्टिक बॉटम फिक्सिंग, कैप फिटिंग, क्रिम्पिंग ऑफ कैप, सोल्डरिंग, एजिंग शामिल हैं।

10. तीन याचिकाकर्ता कंपनियों के परिसर में मीके पर जांच की गई थी, जिनमें उत्पादन प्रक्रिया, विशेष रूप से ऊपर अभिज्ञात प्रक्रिया के संदर्भ में, को विस्तृत रूप से देखा गया था। याचिकाकर्ता कंपनियों को संयंत्र एवं मशीनरी में अपने निवेशों को दो भागों में बांटने का निर्देश दिया गया था जिनमें,

क. सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल्स तक निवेश;

ख. प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल बनाने के लिए संयोजन प्रचालन;

ग. घोक के उत्पादन में शामिल संयोजक प्रचालन। संगत सूचना निम्नानुसार बताई गई है :-

आंकड़े लाख रूपए में

कंपनी	हैवल्स	इंडोएशियन	ओसराम	घरेलू उद्योग	हिस्सा
सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स तक निवेश	***	***	***	***	***%
चोक के उत्पादन में शामिल संयोजक प्रचालन	***	***	***	***	***%
कुल निवेश	***	***	***	***	100%

11. यह देखा गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स और प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल के बीच शामिल उत्पादन कार्यकलाप की तुलना में सील्ड ग्लास ट्यूब्स बनाने के लिए उत्पादन कार्यकलाप काफी विस्तृत था । बाद वाली प्रक्रिया सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल के उत्पादन में शामिल उत्पादन प्रक्रिया की तुलना में अधिकांशतः एक संयोजन क्रम का प्रचालन था । बाह्य चोक के साथ सीएफएल के मामले में यह नोट किया गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स में आगे की प्रक्रिया के काफी कम उत्पादन कार्यकलाप थे और वह भी केवल कैप जोड़ने के रूप में थे ।

12. भारत में माननीय न्यायालयों के निर्णयों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये निर्णय पाटनरोधी शुल्क के पूर्ववर्ती अनुप्रयोजन से उत्पन्न विवादों से संबंधित थे । पूर्ववर्ती मामले में विचाराधीन उत्पाद "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल था और इसलिए माननीय न्यायालय द्वारा विचारार्थ प्रस्तुत प्रश्न यह थे कि क्या सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल के रूप में अधूरा सीएफएल (फिलामेंट्स सहित अथवा अन्य संघटकों सहित) "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, का हिस्सा हैं । न्यायालय ने यह माना है कि उन पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होगा क्योंकि पाटनरोधी शुल्क केवल "प्रयोग के लिए तैयार" सीएफएल पर लागू है । तथापि, वर्तमान मामले में संगत बात यह है कि क्या प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर अधूरे सेल को शामिल करने में न्यायसंगत हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि माननीय न्यायालय ने किसी भी समय यह नहीं माना है कि अधूरे सीएफएल को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने याचिका दायर की थी, जिसमें इन आधारों पर इन अधूरे सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया गया था कि प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल पर पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क के साथ सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल चाहे आगे प्रसंस्कृत हों अथवा नहीं (फिलामेंट सहित अथवा रहित) के आयातों के रूप में अधूरे सीएफएल के भारी मात्रा में बाजार में आयात हुए थे और इस प्रकार घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहा था । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने पहले यह कहा था कि वे पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाए जाने की मांग नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह विचाराधीन उत्पाद के दायरे में सीएफएल के अन्य संघटकों अथवा अधूरे सीएफएल को शामिल करना चाहते हैं और इस तरह का सम्मिलन केवल नई याचिका द्वारा ही संभव था ।

13. उपर्युक्त के महेनजर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल अधूरे कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के अलावा और कुछ नहीं हैं और इसलिए उन्हें विचारणीय उत्पादों के दायरे में शामिल करना न्यायोचित है।

14. संबद्ध वस्तुएं सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 85 के अंतर्गत उपशीर्ष सं. 8539 के अंतर्गत आती हैं। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

ख.1 समान वस्तु

15. याचिकाकर्ता ने दावा किया कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल की अथवा यहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु के बीच कोई खास अंतर नहीं है। इन दोनों को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय बताया गया है और याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद को नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तु माना जाना चाहिए।

ग. शामिल देश तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा

16. प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना के आधार पर आयातों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण किया है। आयातों की निर्धारित कुल मात्रा निम्नानुसार है :-

आंकड़े लाख नगों में

	सील्ड ग्लास सेल/बर्नर	चोक रहित	चोक सहित	कुल	हिस्सा%
चीन	928.95	15.07	120.76	1,064.78	87.86
वियतनाम		1.11	52.93	54.04	4.46
संबद्ध देश	928.95	16.18	173.69	1,118.82	92.32
श्रीलंका		0.81	30.58	31.39	2.59
अन्य देश	5.57	24.01	32.15	61.73	5.09
भारत में कुल आयात	934.52	41.00	236.42	1,211.94	100

17. याचिका में दी गई सूचना से यह पता चलता है कि मलेशिया से हुए आयातों की मात्रा आयातों की कुल मात्रा के 3% से कम थी। चूंकि मात्रा की दृष्टि से मलेशिया से आयात नगण्य थे, इसलिए प्राधिकारी मलेशिया से हुए आयातों के विरुद्ध जांच की शुरुआत करना उचित नहीं समझते थे।

18. श्रीलंका से एक उत्पादन/निर्यातक ने तर्क दिया है कि श्रीलंका को संबद्ध देशों से बाहर रखना चाहिए क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच हुए एफटीए में कॉम्पैक्ट फ्लोरेसेंट लैंप शामिल है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों देशों के बीच हुए एफटीए समझौते से पाटनरोधी जांच प्रतिबंधित नहीं होती है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि श्रीलंका से

आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा (2.59%) से कम है। शुरुआत में याचिकाकर्ता ने दिसंबर, 2006 तक की अवधि के लिए सूचना डीजीसीआईएंड एस से और जनवरी-मार्च, 2007 की अवधि के लिए आईबीआईएस से उपलब्ध कराई थी। डीजीसीआईएंड एस से आयातों की पूर्ण सूचना अब संपूर्ण जांच अवधि के लिए उपलब्ध हो गई है जिनसे यह प्रदर्शित होता है कि श्रीलंका से हुए आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा तक थी। इसके मद्देनजर प्राधिकारी नियमावली के नियम 14 के अनुसार श्रीलंका के संबंध में जांच समाप्त करते हैं। तदनुसार, इस जांच के प्रयोजनार्थ श्रीलंका से हुए आयातों को अन्य देशों में शामिल किया गया है।

घ. घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच की शुरुआत

19. यह याचिका मै. इंडो एशियन फ्यूजगियर लि. मै. हावेल्स इंडिया लि. और मै. ओसराम इंडिया प्रा.लि. द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई थी। ये उत्पादक सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल का उत्पादन करते हैं और तत्पश्चात बाहरी चोक सहित सीएफएल और समेकित चोक सहित सीएफएल का उत्पादन करते हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि अनेक अन्य कंपनियों द्वारा सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स का आयात करके और शेष वृद्धिशील महत्वहीन उत्पादन कार्यकलाप करके संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया गया है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया कि ये कंपनियां मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं करती हैं और भारी मात्रा में सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स के रूप में संबद्ध वस्तुओं की आयातक हैं। याचिकाकर्ता ने इलेक्ट्रिक लैंप एंड कंपोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (अल्कोमा) द्वारा संकलित उत्पाद संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है। अल्कोमा द्वारा प्रदत्त इस सूचना से पता चलता है कि भारत में केवल निम्नलिखित कंपनियों द्वारा वस्तु का उत्पादन किया जाता है।

- क. इंडो एशियन फ्यूजगियर
- ख. हावेल्स इंडिया
- ग. ओसराम इंडिया
- घ. सूर्या रोशनी
- ङ. फिनिक्स

20. शुरुआती स्तर पर सूर्या रोशनी लि. द्वारा इस याचिका का समर्थन किया गया था। शुरुआत के बाद कंपनी ने उनके द्वारा किए गए आयात और उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं के संबंध में क्षति संबंधी सूचना के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। इस प्रकार सूर्या रोशनी ने संबद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में और संबद्ध वस्तु के आयातक के रूप में भी सूचना उपलब्ध कराई है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी से वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है जिसके लिए प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की गई थी।

21. जांच शुरुआत के स्तर पर प्राधिकारी का यह विचार था कि वे भारतीय उत्पादक जो सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स का आयात करके संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे थे, पात्र घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं बनते हैं क्योंकि वे संबद्ध वस्तुओं का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं और ये कंपनियां आधारभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं कर रही हैं। यह निर्धारित किया गया था कि आवेदक कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से

अधिक हैं अतः प्राधिकारी ने जांच शुरुआत के समय निर्धारित किया था कि याधिकाकर्ता कंपनियों के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में "एक प्रमुख हिस्सा" बनता है और याधिकाकर्ता नियम 5 के अंतर्गत योग्यता को पूरा करते हैं। आगे यह भी निर्धारित किया गया था कि याधिकाकर्ता कंपनियां नियम 2घ के साथ पठित नियम 2ख के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

22. अनेक कंपनियों ने यह अभ्यावेदन किया है कि वे भी कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के उत्पादन में संलग्न हैं। इन कंपनियों ने दावा किया है कि उन्होंने सीएफएल के उत्पादन हेतु सुविधाओं की स्थापना की है और वे विनिर्माता के रूप में नियमित रूप से उत्पाद शुल्क का भुगतान कर रहे हैं। यह भी दावा किया गया है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स के स्तर से उत्पादन कार्यकलाप महत्वपूर्ण थे और वे संपूर्ण उत्पादन कार्यकलाप का हिस्सा थे। इस बात पर ध्यान दिलाया गया है कि चोक के उत्पादन में शामिल उत्पादन कार्यकलाप अपने आप में काफी महत्वपूर्ण हैं। इन पक्षकारों का यह भी दावा है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स के स्तर से सीएफएल तक का मूल्यवर्धन काफी अधिक होता है। भारत में माननीय न्यायालय के अनेक निर्णयों का यह सिद्ध करने के लिए उल्लेख किया गया है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल प्रयोग के लिए तैयार सीएफएल नहीं है और केवल एक संघटक है। अतः इन हितबद्ध पक्षकारों ने सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल को जांच के दायरे से बाहर रखने का अनुरोध किया है।

23. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, प्राधिकारी का यह मह है कि सीएफएल के उत्पादन में शामिल मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल के उत्पादन और उसके बाद शुरु होता है। सीएफएल में इन सेलों के संयोजन अथवा चोक के संयोजन और इन सेलों को जोड़ने मात्र से उत्पादन कार्यकलाप पूरा नहीं होता है। इसके अलावा, ये कंपनियां विद्याराधीन उत्पाद की भारी मात्रा में आयातक हैं। इन कंपनियों से उनके द्वारा अपनाई जा रही उत्पादन प्रक्रिया के ब्यौरे उपलब्ध कराने का विशेष रूप से आग्रह किया गया था। केवल 2 कंपनियों अर्थात् मै. एचक्यू लैंप्स और डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक ने उत्तर दिया था। उन्होंने संयंत्र एवं मशीनरी की सूची उपलब्ध कराई है जो इन कंपनियों के लिए क्रमशः *** लाख रुपए और *** लाख रुपए है। इन आयातकों द्वारा संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश की मात्रा याधिकाकर्ताओं द्वारा संयंत्र एवं मशीनरी में किए गए *** लाख रुपए के निवेश की तुलना में *** लाख रुपए है।

24. यह भी दावा किया गया है कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में उल्लिखित "सीकेडी अथवा एसकेडी स्थितियां" शब्दों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में परिभाषित नहीं किया गया है और इस अस्पष्टता के कारण संबद्ध देशों में उत्पादन/निर्यातक प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध नहीं करा पाए हैं।

25. जैसा कि यहां पहले बताया गया है सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल और प्रयोग के लिए तैयार फ्लोरेसेंट लैंपों के बीच का उत्पादन कार्यकलाप अधिकांशतः संयोजन क्रम का प्रचालन है। इसके अलावा, सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल को अधूरा कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंप माना जाता है और इसलिए आयातित सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल का प्रयोग करके कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों का उत्पादन करने वाली किसी कंपनी को संबंधित उत्पाद के भारी आयातों के जरिए उत्पादन में लगी एक कंपनी के रूप में माना जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने

दाया किया है कि यदि सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल के स्तर तक शामिल उत्पादन कार्यकलाप एवं निवेश महत्वहीन था, तो इन कंपनियों को सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल के लिए भी सुविधाएं स्थापित करनी चाहिए थीं। चूंकि ये कंपनियां मूलभूत उत्पादन कार्यकलाप नहीं करती हैं इसलिए इन्हें पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबंधित उत्पाद का उत्पादक नहीं माना जा सकता है। दोनों आधारों पर प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सीलड ग्लास ट्यूबलर सेल का प्रयोग करके कॉम्पेक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों का उत्पादन करने वाली कंपनियां वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पात्र घरेलू उद्योग नहीं है।

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. हावेल्ल्स और ओसराम ने भी संगत अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। इन कंपनियों द्वारा उनके खुद के उत्पादन भारत में आयातों और भारत में मांग के संबंध में आयात निम्नानुसार हैं :-

नग लाख में

	हावेल्ल्स	ओसराम
संबद्ध देशों से आयात	शून्य	***
अन्य देशों से आयात	***	शून्य
इन कंपनियों द्वारा कुल आयात	***	***
सभी स्रोतों से भारत में आयात	***	
इन कंपनियों का उत्पादन	***	***
भारत में मांग	***	
इन कंपनियों द्वारा निम्न के संबंध में आयात का हिस्सा		
सभी स्रोतों से भारत में आयात	2.00%	0.53%
इन कंपनियों का उत्पादन	20.41%	8.33%
भारत में मांग	1.66%	0.44%

27. हावेल्ल्स के परिसर में मौके पर जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने नोट किया कि हावेल्ल्स ने संबद्ध वस्तु का आयात किया है। इन आयातों को "आउटसोर्स" के रूप में बताया गया है और "प्रयुक्त कच्ची सामग्री" के रूप में बुक किया गया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि चूंकि ये टी 3 प्रकार के सीएफएल थे और इनका उत्पादन कंपनी द्वारा नहीं किया जा रहा था, इसलिए कंपनी ने इस किस्म के लिए सुविधाओं की स्थापना होने तक इन किस्मों का आयात किया था। कंपनी ने आगे स्पष्ट किया है कि उसने उसके बाद इन किस्मों का वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू कर दिया है और फरवरी, 2007 के बाद आयातों को पूर्णतः रोक दिया है।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हावेल्ल्स ने ये आयात श्रीलंका से किए हैं। जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, (आयातों की पूर्ण मात्रा जो अब संपूर्ण जांच अवधि के लिए उपलब्ध हो गई है के आधार पर) श्रीलंका से आयातों की मात्रा स्वयं ही काफी कम थी। कंपनी द्वारा किसी अन्य स्रोत से कोई आयात नहीं किए गए हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि हावेल्ल्स द्वारा किए गए आयात काफी कम थे और एक ऐसे देश से थे, जिससे आयातों की संपूर्ण मात्रा काफी कम है।

29. ओसराम के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा किए गए आयात कंपनी के कुल उत्पादन कार्यक्रम के संबंध में काफी कम हैं। कंपनी ने सीएफएल के उन माडलों का आयात किया है, जिनका उत्पादन कंपनी भारत में नहीं कर रही है।

30. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एक कंपनी जो कॉम्पेक्ट फ्लोरोसेंट लैंपों का लैंपों के उत्पादन हेतु सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल के आयातों पर पूर्णतः निर्भर है तो उस कंपनी से अलग रखना चाहिए जो सामान्यतः भारत में उत्पादन पर केंद्रित है और जो अपनी उत्पादन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आयातों का सहारा ले रही है।

31. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी अनंतिम रूप से मानते हैं कि नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर ओसराम और हावेल्स, दोनों घरेलू उद्योग का पात्र हिस्सा हैं।

32. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने आवेदकों की योग्यता निर्धारित की है और यह निष्कर्ष निकाला है कि आवेदक नियमावली के अंतर्गत योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, इसके अलावा नियमों के अर्थ के भीतर याधिकाकर्ता कंपनियां घरेलू उद्योग हैं।

ड अन्य अनुरोध तथा उठाए गए मुद्दे

33. यह तर्क दिया गया है कि जांच शुरुआत की सूचना वेबसाइट पर दी गई थी और इस प्रकार इसके कारण कुछ हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी को जवाब देने से वंचित रह गए थे। यह नोट किया जाता है कि जांच शुरुआत की सूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी और उसे बड़ी संख्या में ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भेजा गया था। इसके अलावा, प्राधिकारी ने उन सभी हितबद्ध पक्षों को अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए समय दिया था, जिन्होंने इसकी मांग की थी।

34. यह तर्क दिया गया है कि भारत सरकार ने अब बीआईएस मानकों को लागू करना अनिवार्य बना दिया है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क लागू करने की कोई जरूरत नहीं है। प्राधिकारी मानते हैं कि बीआईएस मानकों के लागू होने का अर्थ यह नहीं है कि अब उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर नहीं किया जा सकता है।

घ. चीन जन.गण तथा वियतनाम

सामान्य मूल्य

35. निम्नलिखित कंपनियों द्वारा प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया गया था :-

- क. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन
- ख. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरोसेंट लैम्प फेक्ट्री, चीन
- ग. मै. ओसराम चीन लाइटिंग लि., चीन जन.गण.
- घ. मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

36. मै. सुकियान डेडा लाइटिंग कंपनी लि., जियांगसु, चीन और हेंगझाओ लिनेन डॉगफेन लाइटिंग फैक्ट्री, चीन ने भी जांच शुरुआत का उत्तर दिया है और अनुरोध करने के लिए समय की मांग की है जिसे प्रदान किया गया था। तथापि, इन कंपनियों ने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। वियतनाम से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

छ.1 बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. और वियतनाम को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा किसी निर्यातक द्वारा उपर्युक्त मान्यता के खंडन के अधीन चीन और वियतनाम को गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश माना गया है।

38. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता का खंडन किया जा सकता है यदि चीन/वियतनाम के निर्यातक (निर्यातकों) पैराग्राफ 8 में उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं और इसके विपरीत बात को सिद्ध करें। चीन जन.गण./वियतनाम से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करने में समर्थ बनाने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित हैं कि क्या :-

क. चीन जन.गण./वियतनाम में संबंधित फर्मों की कीमतों, लागत एवं निविष्टियों, कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी और श्रम लागत, उत्पाद बिक्री और निवेश के निर्णय आपूर्ति एवं मांग प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतकों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं और इनमें इस संबंध में राज्य का कोई खास हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतों से उनके बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं ;

ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्पन्न विशेष रूप से परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतानों के संबंध में भारी विकृतियों के अधीन हैं;

ग. ऐसी फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानून जो फर्मों के प्रचालन की निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं, के अधीन हैं।

घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के परिणामस्वरूप प्रश्नावली का अपना

उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खंडन किया है। तथापि, वियतनाम से किसी उत्पादन/निर्यातक का कोई उत्तर नहीं मिला है। प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर की संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु जांच की गई थी जो इस प्रकार है।

चीन जन.गण.

फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन

40. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन ने संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी का उत्तर प्रस्तुत किया है। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की काफी घरेलू बिक्रियां की हैं। कंपनी के उत्तर की जांच की गई थी और कंपनी से कुछेक अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण हेतु अनुरोध करते हुए दिनांक 30 जनवरी, 2008 को कंपनी को एक पत्र भेजा गया था। उक्त पत्र में प्रतिवादी कंपनी से अन्य बातों के साथ-साथ राज्य के स्वामित्व वाली सत्ता द्वारा रखे गए शेरों की स्थिति परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और संपत्ति आदि के अंतरण/बिक्री की पद्धति की स्थिति संबंधी ब्यौरे के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था। तथापि, कंपनी से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

41. कंपनी के एमईटी दावों की जांच से पता चलता है कि कंपनी में काफी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष राज्य का स्वामित्व है। इनके संबंध में कंपनी द्वारा कोई ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू बाजार में एक अन्य संबंधित कंपनी विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और/या उसकी बिक्री में लगी हुई है जिसके बारे में प्राधिकारी को कोई ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी कंपनी के स्वामित्व की स्थिति के संबंधी में ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी हैं जिनकी विस्तृत जांच और सत्यापन की जरूरत है।

42. स्वामित्व और नियंत्रण, लागत और कीमतों तथा कंपनी के व्यवसायिक निर्णयों पर इसके प्रभाव के संबंध में जांच किए जाने तक और इनके सत्यापन होने तक प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन से इस उत्पादक-निर्यातक को सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लूरोसेंट लेम्प फैक्ट्री, चीन

43. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लूरोसेंट लेम्प फैक्ट्री, चीन ने संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी का उत्तर प्रस्तुत किया है। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की पर्याप्त घरेलू बिक्रियां की हैं। कंपनी के उत्तर की जांच की गई थी और कंपनी से कुछेक अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण हेतु अनुरोध करते हुए दिनांक 30 जनवरी, 2008 को कंपनी को एक पत्र भेजा गया था। उक्त पत्र में प्रतिवादी कंपनी से अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू बिक्रियां संबंधी ब्यौरे, निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर (बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी

प्रश्नावली समेत) और निर्यातक के स्वामित्व की स्थिति संबंधी सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था। तथापि, कंपनी से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

44. कंपनी के एमईटी संबंधी दावे की जांच से पता चलता है कि कंपनी ने चीन में एक व्यापारी के जरिए वस्तुओं की बिक्री की है। निर्यातक द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है। कमी संबंधी उत्तर के उत्तर में भी निर्यातक ने प्राधिकारी के समक्ष कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के लिए संबंधित निर्यातक से प्रश्नावली का उत्तर दिए बिना बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी जांच नहीं की जा सकती है।

45. संबंधित निर्यातक से संगत सूचना के प्राप्त होने, प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच किए जाने और प्रस्तुत सूचना के सत्यापन तक प्राधिकारी का यह विचार है कि इस उत्पादक को प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण. तथा मै. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

46. इन दोनों कंपनियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दिया गया था। इन कंपनियों की प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती जांच अथवा न्यू शिपर समीक्षा जांच के समय पहले भी जांच की गई थी जिनमें इन कंपनियों को प्राधिकारी ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार दिया था। प्राधिकारी द्वारा पूर्व में किए गए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी निर्धारण को चुनौती नहीं दी गई है और न ही इन कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के संबंध में घरेलू उद्योग ने कोई मुद्दा ही उठाया है।

47. सूचना का सत्यापन होने तक प्राधिकारी का यह विचार है कि इन उत्पादकों को प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जा सकता है।

वियतनाम

48. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वियतनाम से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। इनमें से किसी भी पक्षकार ने इन कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। अतः प्राधिकारी अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार वियतनाम (कंपनियों) के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे पर विचार करने में असमर्थ है।

छ.2 गैर बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के मामले में सामान्य मूल्य

49. जैसा कि पहले बताया गया है, फोसान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग तथा यानयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरोसेंट लैंप फैक्ट्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी निर्धारण से संबंधित काफी मुद्दे हैं, जिनमें आगे जांच और सत्यापन अपेक्षित है। अतः प्रतिवादी निर्यातकों और उत्पादकों द्वारा उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दावों और व्यक्तिगत व्यवहार

के दावों के संबंध में किए गए दावों की आगे जांच और स्थापन होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का अंतिम रूप से अनुमान लगाया है।

50. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में यह व्यवस्था है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी तर्कसंगत आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुणाइश भी विधिवत रूप से समायोजित की जाएगी। निर्विष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का ध्यान उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रचलित उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और ध्यान के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से ध्यान के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

51. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 5 में इंगित किया था कि यह चीन और वियतनाम के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ को समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने की परिकल्पना करते हैं। हितबद्ध पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के इस ध्यान पर उनकी टिप्पणियां देने के लिए आमंत्रित किया गया था। तथापि, आवेदकों के अलावा किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी के समक्ष उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के रूप में यूरोपीय संघ को माने जाने के बारे में पर्याप्त सामग्री प्रस्तुत नहीं की है। यद्यपि, याचिकाकर्ता ने यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत की है, तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू में इन वस्तुओं की कीमत सूची मात्र और वो भी इस प्रकृति के उत्पाद के लिए, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए अपर्याप्त है।

52. इन मुद्दों की आगे जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार तर्कसंगत आधार पर चीन में सामान्य मूल्य के अंतिम रूप से निर्धारण करने की आगे की प्रक्रिया करते हैं। तदनुसार चीन से इन सभी निर्यातकों (फिलिप्स यार्मिंग और ओसराम चाइना को छोड़कर) के लिए विचाराधीन उत्पाद के कारखाना द्वार सामान्य मूल्य का परिकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य का परिकलन सभी प्रमुख निविष्टियों की उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। घरेलू उद्योग के खपत मानकों, परिवर्तन लागत और एसजीए खर्चों को सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु शामिल किया गया है। विचाराधीन उत्पाद की प्रत्येक किस्म के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

अलग से किया गया है । ***% के तर्कसंगत लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद सीलड ग्लास सेल्स, सीएफएल चोक रहित अथवा सीएफएल चोक सहित के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन पृथक रूप से किया गया है जो निम्नानुसार बनता है :

विवरण	सीलड ग्लास सेल	सीएफएल चोक रहित	सीएफएल चोक सहित
कच्ची सामग्री	***	***	***
परिवर्तन लागत	***	***	***
एसजीए खर्च और वित्तीय लागत	***	***	***
***% की दर पर लाभ	***	***	***
सीएनवी प्रति नग	***	***	***
45.60 रुपए की विनिमय दर पर	***	***	***

53. प्रत्येक श्रेणी के लिए वेटेजेज में बांट कर सामान्य मूल्य की गणना पृथक रूप से की गई है । स्थिति निम्नानुसार है :

विवरण	सीलड ग्लास सेल	सीएफएल चोक रहित	सीएफएल चोक सहित
10 वाट तक	***	***	***
11 से 20 वाट तक	***	***	***
21 से 26 वाट तक	***	***	***
भारित औसत	***	***	***

छ.3 बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के मामले में सामान्य मूल्य

54. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग और ओसराम चाइना लाइटिंग के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया गया है । घरेलू बाजार में इन कंपनियों द्वारा की गई बिक्रियों के आधार प्रत्येक किस्म के लिए घरेलू बाजार में भारित औसत बिक्री कीमत का निर्धारण पृथक रूप से किया गया है । अंतर्देशीय भाड़े, बीमा, भंडारण आदि के लिए कीमत संबंधी समायोजना का दावा किया गया है जिनकी आगे जांच और सत्यापन होने तक अनुमति दी गई है । सामान्य मूल्य का निर्धारण कारखाना द्वार स्तर पर किया गया है ।

ज.1 प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

55. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की थी कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है । भारत को निर्यात कीमत के बारे में निम्नलिखित कंपनियों ने सूचना प्रस्तुत की थी ।

- क. मै. फोशान इलेक्ट्रिकल एंड लाइटिंग कं. लि., चीन
- ख. मै. येनयांग इलेक्ट्रॉनिक फ्लोरोसेंट लैम्प फक्ट्री, चीन
- ग. मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.
- घ. मै. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

56. मै. यानयांग इलेक्ट्रॉनिक ने विद्याराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात नहीं किया है। यह निर्यात एक अन्य कंपनी के जरिए किए गए हैं, जिसने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। कंपनी ने केवल बाहरी चोक के साथ सीएफएल का निर्यात किया था। निर्यातक ने इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उठाए गए कमी संबंधी मुद्दे के उत्तर में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी मानते हैं कि कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर यानयांग इलेक्ट्रॉनिक के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करना संभव नहीं है। मै. फोसान के मामले में कंपनी ने केवल सील्ड ग्लास सेल्स/बर्नर का निर्यात किया था। प्रारंभिक जांच निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत के संबंध में दावा किए गए समायोजनों की सत्यापन के अधीन अनुमति दी गई है। मै. फिलिप्स और ओसराम के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर किया गया है। तथापि, चूंकि इन दोनों कंपनियों ने भारत में अपनी संबंधित कंपनियों को वस्तुओं का निर्यात किया है जिन्होंने आयात के बाद इसे पुनः बेचा है, इसलिए निर्यात कीमत का परिकलन भारत में उनकी संबद्ध कंपनी द्वारा बताई गई पुनः बिक्री कीमत के आधार पर किया गया है। इस प्रकार, भारत में उनके आयातक के सभी खर्च और उनके लाभ मार्जिन को प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सीआईएफ निर्यात कीमत की गणना हेतु घटाया गया है। जांच अवधि के दौरान निर्यातों की भारित औसत कीमत के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण उत्पाद की प्रत्येक किस्म के लिए अलग से किया गया है। सूचना की आगे जांच और सत्यापन होने तक कीमत संबंधी समायोजनों, जैसा कि दावा किया गया है, की अनुमति दी गई है। निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना द्वार स्तर पर किया गया है।

57. यानयांग इलेक्ट्रॉनिक्स के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस की सूचना के आधार पर किया गया है।

ज.2 गैर सहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत

58. डीजीसीआईएंड एस द्वारा बताए गए आंकड़ों पर कारखाना द्वार निर्यात कीमत की गणना हेतु विश्वास किया गया है। विद्याराधीन उत्पाद की प्रत्येक किस्म के संबंध में निर्यात कीमत की गणना अलग से की गई है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावे के आधार पर कीमत समायोजनों की अनुमति दी गई है। निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना द्वार स्तर पर किया गया है।

झ. पाटन मार्जिन

59. ऊपर प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग से यथानिर्धारित सामान्य मूल्यों और निर्यात कीमतों के आधार पर और निर्यातकों के लिए सील्ड ग्लास ट्यूब्स, सीएफएल चोक रहित और सीएफएल चोक सहित हेतु अलग-अलग भारित औसत पाटन मार्जिन ज्ञात करने के बाद अलग-अलग वेटेजों के लिए निर्धारित भारित औसत पाटन मार्जिन % निम्नानुसार बनता है।

मै. फिलिप्स एंड यार्मिंग लाइटिंग कं. लि., चीन

रु./नग

विवरण	सीएफएल चॉक रहित			सीएफएल चॉक सहित			भारित औसत
	10 तक	11 से 20	21 और उससे अधिक	10 तक	11 से 20	21 और उससे अधिक	
सा. मूल्य		***	***	***	***	***	
का.द्वा.नि.की.		***	***	***	***	***	
पा.मा. रुपए		***	***	***	***	***	
पा.मा. %		***	-	***	***	***	***

मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.

रु./नग

विवरण	10 तक	11 से 20	21 और उससे अधिक	भारित औसत
सा. मूल्य	***	***		
का.वा.नि.की.	***	***		
पा.मा. रूपए	***	***		
पा.मा. %	***	***		***

चीन से अन्य निर्यातक/उत्पादक

रु./नग

	सीलड ग्लास सेल			सीएफएल चोक रहित			सीएफएल चोक सहित		
घाट	10 तक	11-21	21-26	10 तक	11-21	21-26	10 तक	11-21	21-26
सीएनवी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
एक्स ईपी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पा.मा.	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पा.मा. %	***	***	***	***	***	***	***	***	***

60. सभी श्रेणियों के लिए भारित औसत ***% बनता है ।

वियतनाम-सभी उत्पादक/निर्यातक

रु./नग

विवरण	सीएफएल चोक रहित	सीएफएल चोक सहित
सीएनवी	***	***
कारखाना द्वार निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***

61. भारित औसत पाटन मार्जिन ***% बनता है ।

62. समग्र स्थिति निम्नानुसार है :

कंपनी का नाम	पाटन मार्जिन की रेंज
चीन	
मै. ओसराम चाइना लाइटिंग लि., चीन जन.गण.	14-18%
मै. फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि., चीन	40-45%
चीन से अन्य निर्यातक/उत्पादक	84-89%
वियतनाम-सभी उत्पादक/निर्यातक	65-70%

63. अनंतिम रूप से इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक हैं और निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक हैं ।

अ.1 घरेलू उद्योग के विचार

64. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर बनी रही है । इसके अलावा, आधार अवधि से जांच अवधि तक इन कीमतों में हुई वृद्धि निविष्टि कीमतों में वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई है ।

- ख. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने और बाजार में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री की मात्रा तथा क्षमता उपयोग में सुधार प्रदर्शित हुआ है।
- ग. आधार अवधि से जांच अवधि तक घरेलू उद्योग के लाभ/हानि (पीबीटी तथा पीबीआईटी) में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है।
- घ. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि भारत में मांग के बाजार हिस्से का उल्लेखनीय भाग पाटित आयातों ने घेर लिया है।
- ङ. प्रत्येक देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय सीमा तक कीमत कटीती हुई है।
- च. संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग वर्ष 2005-06 तथा प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान अपनी कीमतों में भारी गिरावट लाने पर विवश हुआ है। इस प्रकार आयातों के कारण इस अवधि के दौरान कीमतों में मंदी छाई रही।
- छ. मांग तथा बाजार हिस्सा : आयातों के बाजार हिस्से में जहां वृद्धि हुई है, वहीं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- ज. वृद्धि :- मात्रात्मक मानदंड के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि में सकारात्मक रुख देखा गया है, जबकि कीमतों का रुख नकारात्मक है।
- झ. निरपेक्ष रूप में आयात की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- ञ. कीमत कटीती उल्लेखनीय है। इष्टतम से कम कीमत की पेशकश के बावजूद घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद की कीमत के बीच अंतर सकारात्मक है।

4.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

4.2.1. प्रारंभिक टिप्पणियाँ

65. उपयोग हेतु तैयार सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क की संस्तुति पहले भी की गई थी। ये शुल्क दिनांक 20 दिसंबर, 2006 तक लागू रहे। घरेलू उद्योग ने पहले अभ्यावेदन दिया था कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे में सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स को शामिल न करने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति जारी रही है, क्योंकि अनेक कंपनियों ने देश में संयोजन सुविधाएं स्थापित कर ली हैं और इस उत्पाद को अर्द्धनिर्मित उपान्त्य अवस्था में आयात करके सीएफएल का उत्पादन व बिक्री शुरू कर दी है। यह भी अभ्यावेदित किया गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स तथा उपयोग के लिए तैयार सीएफएल की अवस्था से उत्पादन कार्यकलाप अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जैसा कि चोक रहित परंतु उपयोग के लिए तैयार सीएफएल की अवस्था में शामिल उत्पादन प्रक्रिया में सिद्ध किया गया है। यह भी अभ्यावेदित किया गया था कि सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स की तुलना चोक युक्त उपयोग हेतु तैयार सीएफएल के साथ करना भ्रामक है क्योंकि चोक एक इलेक्ट्रॉनिक संघटक है और उसका उत्पादन अपने आप में एक अलग कार्यकलाप है। देश में अनेक इलेक्ट्रॉनिक संघटक उत्पादक हैं जो बना बनाया चोक प्रदान कर सकते हैं। अतः घरेलू उद्योग ने निवेदन किया था कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे में सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स को शामिल न करने से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है जब यद्यपि, पाटनरोधी शुल्क इस उत्पाद पर लगाया गया था परंतु अर्द्ध-निर्मित उत्पाद के लगातार पाटन के कारण उत्पादकों को क्षति होती रही।

66. घरेलू उद्योग ने इस संबंध में सीस्टेट तथा उच्च न्यायालयों के अनेक निर्णयों की ओर प्राधिकारी का ध्यान आकृष्ट किया है। इनमें से अनेक निर्णयों में यह कता गया है कि बर्नरों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना न्यायोचित था। इसके साथ ही ऐसे भी निर्णय थे जिनमें यह कहा गया था कि बर्नरों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण

न्यायोचित नहीं है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान सीबीईसी द्वारा जारी एक परिपत्र की ओर भी आकृष्ट किया है, जिसमें सीमाशुल्क पत्तन प्राधिकारियों को अर्द्ध-निर्मित सीएफएल के आयातों पर भी पाटनरोधी शुल्क के संग्रहण का निर्देश दिया गया था। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यह स्थिति तब भी थी जब निर्मित/उपयोग के लिए तैयार सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लागू था। तथापि, यह देखते हुए कि उपयोग हेतु तैयार सीएफएल पर पाटनरोधी शुल्क लागत नहीं था, पत्तन प्राधिकारी अर्द्ध निर्मित सीएफएल तथा बर्नरों के आयात हेतु अनुमति देने पर सहमत हो गए। इसके परिणामस्वरूप अधिकाधिक कंपनियों ने संयोजन सुविधाएं स्थापित कर लीं और सीएफएल उत्पादक बन गईं जिसके कारण भारतीय उत्पादकों को अनुचित प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि इन उत्पादकों को पाटित कीमतों पर बर्नरों के रूप में अर्द्ध-निर्मित सीएफएल उपलब्ध हो जाता है और उसके बाद ये अनुचित रूप से घरेलू उद्योग से प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसके परिणामस्वरूप, यद्यपि, उत्पाद में समग्र वृद्धि होती है, तथापि घरेलू उद्योग की वृद्धि में हास हुआ है और इसकी लाभप्रदता धीरे-धीरे प्रभावित हुई है।

अ.2.2. क्षति का संचयी आकलन

67. नियमावली के अनुबंध-॥ (iii) के अनुसार ऐसे मामले में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच की जाती है, वहां प्राधिकारी से ऐसे आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन की अपेक्षा की जाती है, जब यह निर्धारित होता हो कि

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में, स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर 2% से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है, और

ख. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है।

68. प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है। वर्तमान मामले में आयातों का संचयी आकलन उपयुक्त है।

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विभिन्न तर्कों पर विचार किया है। इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया था।

69. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ में अपेक्षा की गई है कि क्षति के निर्धारण में निम्नलिखित दोनों बातों की वस्तुनिष्ठ जांच की जाएगी :

क. पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव ; और

ख. ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन पाटित आयातों के परिणामतः होने वाला प्रभाव।

76. पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी द्वारा यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या निरपेक्ष रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा उपभोग के सापेक्ष पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का प्रश्न है, प्राधिकारी द्वारा यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती।

77. क्षति के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के संघयी प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबद्ध आर्थिक कारकों एवं सूचकों पर इसके प्रभाव की जांच की गई, ताकि क्षति के अस्तित्व तथा पाटन एवं क्षति, यदि हुई हो, के बीच कारणात्मक संबंध का मूल्यांकन किया जा सके।

78. चूंकि संबद्ध देशों से निर्यातों के संबंध में उल्लेखनीय पाटन मार्जिन स्थापित की गई है, अतः संबद्ध देशों से समस्त निर्यातों को क्षति के विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है।

अ.2.3. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

79. प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तुओं के आयातों का सौदेवार ब्यौरा डीजीसीआईएंड एस से एकत्रित किया गया। आयातों की मात्रा का निर्धारण विचाराधीन सभी प्रकार के उत्पादों के आयातों के संघयन के माध्यम से किया गया। चीन जन.गण. तथा वियतनाम दोनों से हुए आयात न्यूनतम सीमा से अधिक हैं।

अ.2.4. आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

79. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात एवं कुल आयातों में उनका हिस्सा निम्नानुसार है :-

देश	आंकड़े लाख नग में			
	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
चीन	161.62	366.38	752.65	1,064.78
वियतनाम	14.83	14.86	55.26	54.04
संबद्ध देश	176.45	381.24	807.91	1,118.82
प्रवृत्ति	100	216	458	634
अन्य देश	268.56	78.87	124.15	93.12
प्रवृत्ति	100	29	46	35
कुल आयात	445.01	460.11	932.06	1,211.94
प्रवृत्ति	100	103	209	272
आयातों में बाजार हिस्सा				
चीन	36.32	79.63	80.75	87.86
वियतनाम	3.33	3.23	5.93	4.46
संबद्ध देश	39.65	82.86	86.68	92.32
प्रवृत्ति	100	209	219	233

अन्य देश	60.35	17.14	13.32	7.68
प्रवृत्ति	100	28	22	13
घरेलू उद्योग का उत्पादन	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	176.45	381.24	807.91	1,118.82
घरेलू उद्योग के उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात	***	***	***	***
आयातों का अलग-अलग ब्यौरा				
□ सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स	***	***	***	***
□ उपयोग हेतु तैयार सीएफएल	***	***	***	***

75 यह पाया गया है कि भारत में आयातों की तुलना में संबद्ध देशों से संघयी आयातों में निरपेक्ष रूप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान ची.जन.गण तथा वियतनाम से हुए आयात क्रमशः 87.86% एवं 4.46% थे। यह भी नोट किया जाता है कि जहां उपयोग के लिए तैयार सीएफएल के आयातों में गिरावट आई, वहीं सील्ड ग्लास ट्यूब्यूलर शेल्स के आयातों में कई गुना वृद्धि हुई। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि भारत में अधिकाधिक कंपनियां अर्द्ध-निर्मित अवस्था में सीएफएल का आयात शुरू करके भारत में प्रसंस्करण कार्यकलाप में संलग्न है।

अ.2.5. मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

76 भारत में मांग/खपत के संदर्भ में आयातों के हिस्से तथा भारत में उत्पादन के संदर्भ में आयातों के हिस्से की जांच की गई। संबद्ध सूचना नीचे दी गई है।

अ.2.6. मांग में वृद्धि

77 संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और सभी देशों से आयातों को जोड़कर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स अर्द्ध निर्मित सीएफएल को दर्शाता है अतः अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री का अनुमान सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स के आयातों के आधार पर लगाया गया है। इस प्रकार आकलित मांग का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

आंकड़े

लाख नग में

घरेलू उद्योग	***	***	***	***
संबद्ध देश	***	***	***	***
अन्य देश	***	***	***	***
कुल आयात	***	***	***	***
कुल मांग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	113	220	281

78 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। क्षति अवधि के दौरान इसमें 181% की वृद्धि हुई।

अ.2.7 मांग/खपत तथा उत्पादन में आयातों का हिस्सा

८९. प्राधिकारी द्वारा भारत में उत्पादन तथा खपत के संदर्भ में आयातों के हिस्से का निर्धारण किया गया। संबद्ध सूचना नूची दी गई है :-

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
उत्पादन में वृद्धि		***	***	***
मांग में वृद्धि		***	***	***
आयातों में वृद्धि		***	***	***
□ संबद्ध देश		***	***	***
□ अन्य देश		***	***	***

९०. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में उत्पादन की तुलना में संबद्ध आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

अ.2.8. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
स्थापित क्षमता	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	172	214	299
उत्पादन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	172	308	322
क्षमता उपयोग %	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	100	144	108
भारत में मांग	***	***	***	***
निम्नलिखित में वृद्धि				
□ मांग		***	***	***
□ क्षमता		***	***	***
□ उत्पादन		***	***	***
□ बर्नरों का आयात		***	***	***

९१. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान क्षमता एवं तत्पश्चात् उत्पादन में वृद्धि हुई। तथापि पिछले वर्ष की तुलना में, जबकि मांग में *** नगों की वृद्धि हुई, क्षमता में *** नग की वृद्धि हुई और उत्पादन में केवल *** नग की वृद्धि हुई। इसके अलावा, यह भी पाया गया कि बर्नरों के आयातों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस प्रकार, यह पाया गया कि अर्द्ध निर्मित अवस्था में इस उत्पाद के आयात से संयोजन प्रचालनों के माध्यम से उत्पादन अधिक हुआ और इस प्रकार देश में क्षमता वृद्धि प्रभावित हुई।

अ.2.9. घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा

82.

आंकड़े लाख नग में

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	167	282	334
निम्नलिखित में वृद्धि				
□ घरेलू उद्योग की बिक्री		***	***	***
□ संबद्ध देशों से आयात		***	***	***

83. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई, तथापि बिक्री में हुई वृद्धि आयातों में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत कम थी। यह देखते हुए कि 83% आयात अर्द्ध निर्मित सीएफएल का किया गया, यह स्पष्ट है कि सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि नहीं हो सकी।

अ.2.10. बाजार हिस्सा

84. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :-

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
संबद्ध देश	***	***	***	***
अन्य देश	***	***	***	***
कुल आयात	***	***	***	***
कुल मांग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	113	220	281
मांग में हिस्सा				
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	148	128	119
संबद्ध देश	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	191	208	225
अन्य देश	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	26	21	12
चीन	***	***	***	***
वियतनाम	***	***	***	***
संबद्ध देश	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	191	208	225

85. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2003-04 और 2004-05 के बीच घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो अन्य देशों द्वारा बाजार हिस्सा गंवाने के कारण हुई थी। तथापि, वर्ष 2004-05 के पश्चात् घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में असमर्थ रहा। वस्तुतः इसमें गिरावट आई।

ट.1. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

86. जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में यथा संदर्भित, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का प्रश्न है, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया गया जाएगा कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय सीमा तक हुई होती।

87. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़े प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत मंदी यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत से की गई। विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों की कीमत के बीच उल्लेखनीय अंतर के मद्देनजर यह विश्लेषण सील्ड ग्लास ट्यूबलर सेल्स उपयोग हेतु तैयार विभिन्न वॉट के चोक युक्त तथा चोक रहित सीएफएल के लिए अलग-अलग किया गया। वॉटेज के अनुसार इस उत्पाद को तीन श्रेणियों में पुनः समूहित किया गया - (क) 10 वॉट तक, (ख) 11 वॉट से 20 वॉट तक, (ग) 21 वॉट से अधिक। प्रत्येक प्रकार के संबंध में कीमत की तुलना में पृथक रूप से की गई। अतः संबद्ध मात्राओं के आधार पर भारित औसत मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

ट.2. कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव

आंकड़े रु./नग में

	लेम्प बेस रहित शील्ड ग्लास	चोक रहित सीएफएल	चोक सहित सीएफएल	कुल भारित औसत
निवल बिक्री प्राप्ति (जांच अवधि)	***	***	***	***
पहुंच मूल्य				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम		***	***	***
कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
कीमत कटौती				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम		***	***	***

कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
कीमत कटौती %				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम	***	***	***	***
कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
गैर क्षति कीमत	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम		***	***	***
कुल संबद्ध देश	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री %				
चीन	***	***	***	***
वियतनाम	***	***	***	***
कुल संबद्ध देश	***	***	***	***

88. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की गणना करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त रिबेट, छूट एवं कमीशन तथा संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटा दिया गया है।

89. कीमत कटौती के निर्धारण में जांच की समस्त अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उक्त अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति से की गई है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की गणना करते समय उसमें डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में संबद्ध देशों की आयात कीमतों में 1% पहुंच प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़ा गया है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती 40-60% के बीच रही।

90. कम कीमत पर बिक्री की गणना के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमतों की तुलना घरेलू उद्योग के लिए जांच अवधि हेतु निर्धारित क्षति रहित कीमत से की गई है। इससे ज्ञात होता है कि कम कीमत पर हुई बिक्री 53-66% के बीच थी।

ट.3. पाटित आयातों का कीमतहास तथा कीमत न्यूनीकरण प्रभाव:

91. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा संबद्ध देशों के पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री की लागत में वृद्धि का रुख देखा गया था। बिक्री की लागत, जो आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) थी, जांच अवधि में बढ़कर 109% हो गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2004-05 तक बिक्री कीमत में गिरावट लागत से अधिक नहीं थी, तत्पश्चात बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि के अनुपात में नहीं रही। उत्पादन लागत का रुख दर्शाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारित औसत उत्पादन लागत ***% बढ़ गई जबकि, जांच अवधि

के दौरान बिक्री कीमत में मात्र ***% की वृद्धि हुई थी, जो यह इंगित करता है कि घरेलू उद्योग में वृद्धि के अनुरूप बढ़ा नहीं सका।

ठ. क्षति से संबंधित अन्य मानदंडों की जांच

93. पिछले खंड में घरेलू उद्योग की मात्रा व कीमतों तथा मात्रा व आयातों के मूल्यों, क्षमता उत्तपादन, क्षमता उपयोग जैसे क्षति के प्रमुख सूचकों एवं घरेलू उद्योग की बिक्री तथा मांग के पैटर्न एवं विभिन्न खंडों के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के उपरांत अन्य आर्थिक मानदंडों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का अस्तित्व इंगित कर सकते हैं, की जांच भी निम्नानुसार की गई है :-

ठ.1. लाभ

आंकड़ रूप में

बिक्री की लागत	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	88	101	109
बिक्री कीमत	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	86	98	105
लाभ/हानि	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	(96)	(352)	(334)
पीबीआईटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	52	(36)	(71)
नकद लाभ	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	58	(25)	(11)

94. उक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की भारित औसत लागत में 9% की वृद्धि हुई, जबकि जांच अवधि के दौरान भारित औसत बिक्री कीमत में केवल 5% की वृद्धि हुई। घरेलू बिक्री पर घरेलू उद्योग का लाभ (पीबीआईटी), जो वर्ष 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) था, वर्ष 2004-05 में घटकर 52 रह गया और उसके परवर्ती वर्षों के दौरान उसे घाटा होता गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई।

ठ.2. निवेश से आय

आंकड़े लाख रूप में

पीबीआईटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	52	(36)	(71)
निवल अचल परिसंपत्तियां	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	113	125	151
कार्यशील पूंजी	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	89	95	115
नियोजित पूंजी	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	105	115	139
नियोजित पूंजी से आय(%)	5.36	2.68	(1.67)	(2.74)
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	50	(31)	(51)

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लगाई गई पूंजी पर घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित आय में लगातार गिरावट आई है। नियोजित पूंजी से आय, जो वर्ष 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) थी, जांच अवधि के दौरान तेजी से घटकर 51 रह गई।

ठ.3 उत्पादकता

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
प्रति कर्मचारी उत्पादकता (नग)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	150	263	275

96. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि उक्त अवधि के दौरान उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

ठ.3.1 रोजगार एवं मजदूरी

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
रोजगार (जनशक्ति की संख्या)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	141	169	196
मजदूरी (लाख रूपए)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	170	347	550

97. उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप रोजगार स्तर में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मजदूरी में हुई वृद्धि कर्मचारियों की संख्या तथा उत्पादन में हुई वृद्धि के अनुरूप थी।

ठ.3.2 मालसूची

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
औसत स्टॉक (लाख नग)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	142	309	413
बिक्री के दिवसों की संख्या के रूप में औसत स्टॉक	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	85	109	124

98. औसत मालसूची की प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि उक्त अवधि के दौरान औसत मालसूची में तीन गुना वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि की शुरुआत में आदिशेष मालसूची लगभग 2 दिनों की बिक्री के बराबर थी, जो जांच अवधि में बढ़कर 19 दिनों की बिक्री के बराबर पहुंच गई। अन्य शब्दों में जांच अवधि के दौरान मालसूची संचित होती रही क्योंकि अधिशेष मालसूची, आदिशेष माल सूची की लगभग 18 गुना थी, जो प्रतिकूल कुल खरीद दर्शाती है।

ठ.3.3. वृद्धि

99. मांग में वृद्धि आधार वर्ष से जांच अवधि तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक रूप दर्शाती है। क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि सकारात्मक थी। परंतु लाभ में वृद्धि, निवेश से आय और नकद लाभ नकारात्मक था। इसके अलावा, यद्यपि क्षमता, उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि सकारात्मक थी, यह नोट किया गया कि मांग में घरेलू उद्योग की वृद्धि से काफी अधिक थी।

ठ.4. निवेश

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने इस उत्पाद में वृद्धि की संभावना को देखकर आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तुओं की अपनी क्षमता द्वारा किया गया निवेश निम्नानुसार है:-

लाख रुपए				
नया निवेश		***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)		100	74	128

ठ.5 पाटन की सीमा

101. पाटित आयात घरेलू उद्योग को जिस सीमा तक क्षति पहुंचा सकते हैं, उसके सूचक के रूप में पाटन की सीमा यह दर्शाती है कि जांच अवधि के संदर्भ में संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन उल्लेखनीय है।

ठ.6. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

ठ.6.1. क्षति से संबंधित निष्कर्ष

102. संबद्ध वस्तुओं के आयातों में निरपेक्ष रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई। भारत में कुल आयातों, उत्पादन तथा भारत में खपत के संदर्भ में आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अलावा बर्नरों, जो अर्द्ध निर्मित सीएफएल हैं, के आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जहां तक कीमत प्रभाव का प्रश्न है, यह देखा गया कि आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कटौती हुई। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का प्रश्न है, यह नोट किया गया था कि यह उत्पाद पहले चीन से पाटन का सामना कर रहा था और क्षति की समस्त अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क लागू थे। परंतु अर्द्ध निर्मित सीएफएल अथवा बर्नरों के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं था। क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री की मात्रा के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ। परंतु इन मानदंडों में आया सुधार देश में मांग में वृद्धि की तुलना में बहुत कम था। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पहले सुधार आया, तत्पश्चात गिरावट आई। लाभ, नकद लाभ और निवेश से आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई।

103. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई, जो समग्रतः एवं संचयी रूप से यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ड. कारणात्मक संबंध

104. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण संबंधी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए और यथा संशोधित निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए और यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अनुबंध-II के पैरा (v) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव एवं घरेलू उद्योग की स्थिति पर उनके परिणाम की जांच की गई। पाटित आयातों से इतर ज्ञात कारकों, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी, की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति का कारण पाटित आयातों को न माना जाए।

ड.1 अन्य ज्ञात कारकों की जांच

ड.2 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में अन्य देशों से आयातों की मात्रा 6% है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से हुए आयातों के कारण भी घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

ड.3 मांग में संकुचन एवं/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मांग में समग्रतः कोई संकुचन नहीं हुआ। इसके विपरीत, संबद्ध वस्तुओं की समग्र मांग क्षति अवधि के दौरान उल्लेखनीय सकारात्मक वृद्धि दर्शाती है। संबद्ध वस्तुओं की मांग क्षति अवधि के दौरान 181% से अधिक वृद्धि दर्शाती है। घरेलू बाजार में इस उत्पाद की खपत के तरीके में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाता।

ड.4 व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के लिए एक ही बाजार है, जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हैं। आयातित अर्द्ध निर्मित सीएफएल की बिक्री उसी बाजार में की जाती है जहां उपयोग हेतु तैयार सीएफएल की बिक्री की जाती है और ये घरेलू उद्योग से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

108. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग में व्याप्त प्रतिबंधात्मक पद्धति का कोई साक्ष्य प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाता।

ड.5. प्रौद्योगिकी का विकास

109. रिकार्ड की जांच के आधार पर प्राधिकारी का अनंतिम रूप से यह अभिमत है कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सुसंगत कारक नहीं है।

ड.6. निर्यात निष्पादन

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा नगण्य थी। विभिन्न आर्थिक सूचनकों के संबंध में कार्य-निष्पादन की जांच केवल घरेलू बिक्री के संदर्भ में की गई है। अतः प्राधिकारी का अनंतिम रूप से यह अभिमत है कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग को निर्यात निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं हुई है।

ड.7. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

111. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

112. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया है, जिससे घरेलू उद्योग को संभावित रूप से क्षति हुई हो। अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ड.8. कारण से संबंधित निष्कर्ष

113. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीएफएल के आयातों में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही थी। यह भी नोट किया गया कि अर्द्ध निर्मित सीएफएल की पहुंच कीमतें इस अवस्था में घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत कम थीं। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अर्द्ध निर्मित सीएफएल के मामले में यह वृद्धि अपेक्षाकृत अधिक थी। परिणामतः क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश से आय में गिरावट आई जबकि पहले फाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के मद्देनजर इनमें सुधार होना चाहिए था। इसके अलावा क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री की मात्रा में यद्यपि वृद्धि हुई। यह बाजार में हुई वृद्धि से बहुत ही कम थी। पाटित आयातों ने देश में घरेलू उद्योग की वृद्धि को प्रभावित किया है।

ड. क्षति मार्जिन की सीमा

114. क्षति मार्जिन के निर्धारण के उद्देश्य से प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना निर्यातों के पहुंच मूल्य से की गई है। संबद्ध देश से निर्यातों की भारित औसत पहुंच कीमत और क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :-

ढ.1. क्षति मरुजिन की गणना

115. क्षति मरुजिन की वॉटेज वर गणना निम्नानुसार है:

चीन जन.गण.

रु./नग

	सीलड ग्लास सेल्स			चोक रहित सीएफएल			चोक सहित सीएफएल		
एनआईपी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
एलवी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
आईएम	***	***	***	***	***	***	***	***	***
भारित औसत			***			***			***

वियतनाम

रु./नग

विवरण	चोक रहित सीएफएल	चोक सहित सीएफएल
एनआईपी	***	***
पहुंच मूल्य	***	***
क्षति मरुजिन	***	***

116. समग्र स्थिति निम्नानुसार है :-

रु./नग

कंपनी का नाम	क्षति मरुजिन (लैम्प बेस रहित ग्लास)	क्षति मरुजिन चोक रहित सीएफएल)	क्षति मरुजिन चोक युक्त सीएफएल)
चीन जन.गण	***	***	***
वियतनाम	--	***	***

ण. निष्कर्ष

117. उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

क. संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

ग. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है ।

त. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

118. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में इस उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि पाटनरोधी उपायों के कारण भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन पद्धतियों के कारण हुआ अनुचित लाभ दूर होगा, घरेलू उद्योग की गिरावट पर रोक लगेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनी रहेगी । उपभोक्ताओं को आपूर्ति के दो अथवा इससे अधिक स्रोत हासिल रहेंगे ।

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आम तौर पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे, अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

घ. सिफारिशें

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच प्रारंभ की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षों को सूचित किया गया था और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति तथा इन दोनों के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने और प्रारंभिक जांच करने तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति को स्थापित करने के बाद प्राधिकारी का यह अभिमत है कि जांच पूरी होने तक पाटन तथा परिणामी क्षति को हतोत्साहित करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

121. अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं और नीचे दिए गए रूप तथा पद्धति से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

122. कम शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में से जो कम हो, उसके समतुल्य अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे दी गई तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

द.1. शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	विवरण	निर्देशन तथा विनिर्देशन	उद्गम देश	निर्यात देश	कारखाना	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	8539	कॉपिक फ्लोरसेंट लेम्पस (टिप्पणी नीचे दी गई है)	चोक रहित फिनिश लेम्प 11 से 20 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग क. लि.	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग क. लि.	43-12	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक रहित फिनिश लेम्प 11 से 20 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग क. लि.	कोई.	43-12	प्रति नग	आईएनआर

-वही-	-वही-	चोक रहित फिनिस्ड लैम्प 11 से 20 वाट	चीन	चीन	कोई	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	43.12	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प 10 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	54.67	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प 10 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	कोई	54.67	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प 10 वाट तक	चीन	चीन	कोई	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	54.67	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प -11 से 20 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	61.17	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प -11 से 20 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	कोई	61.17	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प -11 से 20 वाट तक	चीन	चीन	कोई	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	61.17	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प -21 से 26 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	88.52	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प -21 से 26 वाट तक	चीन	चीन	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	कोई	88.52	प्रति नग	आईएनआर
-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैम्प -21 से 26 वाट तक	चीन	चीन	कोई	फिलिप्स एंड यामिंग लाइटिंग कं. लि.	88.52	प्रति नग	आईएनआर

2	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 10 वाट तक	चीन	ओसराम लाइटिंग क. लि.	ओसराम लाइटिंग क. लि.	58.07	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 10 वाट तक	चीन	ओसराम लाइटिंग क. लि.	कोई	58.07	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 10 वाट तक	चीन	कोई	ओसराम लाइटिंग क. लि.	58.07	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 11 से 20 वाट तक	चीन	ओसराम लाइटिंग क. लि.	ओसराम लाइटिंग क. लि.	66.96	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 11 से 20 वाट तक	चीन	ओसराम लाइटिंग क. लि.	कोई	66.96	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 11 से 20 वाट तक	चीन	कोई	ओसराम लाइटिंग क. लि.	66.96	प्रति नग	आईएनआर
3	-वही-	-वही-	बर्नर- 10 चीन वाट तक	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	17.83	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	बर्नर- 11 चीन से 20 वाट	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	19.56	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	बर्नर- 21 चीन से 26 वाट	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	20.95	प्रति नग	आईएनआर
4	-वही-	-वही-	चोक रहित चीन फिनिस्ड लैम्प- 10 वाट तक	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	21.61	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक रहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 11 से 20 वाट	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	22.82	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक रहित चीन फिनिस्ड लैम्प - 21 से 26 वाट	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	23.84	प्रति नग	आईएनआर
5	-वही-	-वही-	चोक सहित चीन फिनिस्ड लैम्प- 10 वाट तक	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	58.86	प्रति नग	आईएनआर

	-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैंप - 11 से 20 वाट	चीन	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	60.77	प्रति नग	आईएनआर
	-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैंप - 21 से 26 वाट	चीन	कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	उपरोक्त के अलावा कोई	88.37	प्रति नग	आईएनआर
6	-वही-	-वही-	चोक रहित फिनिस्ड लैंप- 26 वाट तक	वियतनाम	वियतनाम	कोई	कोई	21.86	प्रति नग	आईएनआर
7	-वही-	-वही-	चोक सहित फिनिस्ड लैंप - 26 वाट तक	वियतनाम	वियतनाम	कोई	कोई	72.16	प्रति नग	आईएनआर

टिप्पणी : शुल्क के अध्याधीन उत्पाद के दायरे में बैलास्ट/कंट्रोल गियर/चोक युक्त अथवा रहित कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट लैम्प, चाहे संयोजित हों अथवा नहीं, सीकेडी अथवा एसकेडी स्थिति में जिसमें असंयोजित सीएफएल शामिल है जो बैलास्ट/चौक/कंट्रोल गियर रहित हो, लैम्प बेस युक्त अथवा रहित सील्ड ट्यूबलर सैल आता है । तैयार कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट लैंप निम्नलिखित हैं ।

- (i) इंटीग्रेटेड टाइप, बिल्ट इन बैलास्ट/कंट्रोल गियर/चोक युक्त तथा
- (ii) इंटीग्रेटेड टाइप, बिल्ट इन कंट्रोल गियर/बैलास्ट/चोक रहित

घ. आगे की प्रक्रियाएं

123. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

(क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और इन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित के रूप में ज्ञात सभी पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है ;

(ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;

(घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पहले आवश्यक तथ्यों का खुलासा करेंगे ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th March, 2008

Preliminary Findings

Subject : Anti-Dumping Investigations concerning import of Compact Fluorescent Lamps originating in or exported from China PR, Sri Lanka and Vietnam.

No. 14/1/2007-DGAD.—M/s Indo Asian Fusegear Ltd., M/s Havell's India Ltd. and M/s Osram India Pvt. Ltd., have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amended) Act, 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules) alleging dumping of Compact Fluorescent Lamps with or without ballast/control gear/choke, whether or not assembled, either in CKD or SKD conditions originating in or exported from China PR, Sri Lanka and Vietnam and requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- i) The Authority under the above rules received a written petition from - M/s Indo Asian Fusegear Ltd., M/s Havell's India Ltd. and M/s Osram India Pvt. Ltd on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Compact Fluorescent Lamps with or without ballast/control gear/choke, whether or not assembled, either in CKD or SKD conditions (hereinafter referred to as CFL or subject goods) originating in or and exported from China PR, Sri Lanka and Vietnam.
- ii) The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 30th Aug., 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of CFL originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

iv) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 30th Aug., 2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

v) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.

vi) The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.

vii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4).

M/s. Philips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

M/s. Changchun Electric Wire & Bulb Factory, China.

M/s. Fujian Fuzhou Light Bulb Factory, China.

M/s. Guanghou Flash Light Industrial Corporation, China.

M/s. Guangzhou Panyu Seagull Flash Light Industry Co., China.

M/s. Henan Anyang Bulb Factory, China.

M/s. Jiangsu Xuzhou Everlasting Lighting Electrical Equipment Holding Co. Ltd., China.

M/s. Leging Electric Bulb Factory, China.

M/s. Shanghai Yaming Electric Lamp Works Co. Ltd., China

M/s. Chanzhou Redsun Electrical Appliance Manufacturing Co. Ltd. China.

M/s. Zhejiang Sunlight Group Company Ltd., China.

M/s. Rang Dong Source and Vacuum Flask Joint Stock Company, Vietnam.

M/s. Ceynergy Electronics Company Pvt. Ltd., Sri Lanka.

M/s. Kathawasi (Pvt.) Ltd. Srilanka.

a. Response to questionnaire has been received from following exporters/ importers companies

Exporters

M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.

M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China

M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.

M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

M/s. Shin Kwang Lanka (Pvt.) Ltd. Srilanka

Importers

M/s. Starlite Lighting Limited, Nasik.

M/s. Philips Electronic India Ltd.

M/s. Osram India (Pvt.) Ltd.

M/s. Crompton Greaves Ltd.,

M/s. WIPRO Ltd.

- b. Representations on the Initiation were received from ESLMA India, Jointly by Crompton Greaves, Bajaj electrical, Wipro, Philips Electronics Ltd and Asian electronics Ltd. and some of the other parties as named below in viii). M/s Suqian Deda Lighting Co ltd, Jiangsu, China and Hangzhou Linan Dongfeng Lighting Factory China also responded to the Initiation and requested time for filing response, which was also provided. However, these companies did not submit any questionnaire response.

viii) Further, questionnaire was sent to the following parties in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

- M/s. Deco Gold Electronics Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. H.Q. Lamp Manufacturing Company, Haridwar, Uttranchal.
- M/s. Delta Electronics, Noida, Uttar Pradesh.
- M/s. Sonera Time & Light Mfg. Co., Rajkot, Gujarat.
- M/s. Clock Manufacturers Association (India), Morbi, Gujarat.
- M/s. Ajanta Manufacturing Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. Ajanta Limited, Morbi, Gujarat.
- M/s. Ajanta India Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. Ceama Consumer Electronics & Appliances Mfrs. Association, New Delhi.
- M/s. Surya Roshni Ltd., New Delhi.
- M/s. Shilpa Electricals Pvt. Ltd., Periamet, Chennai.
- M/s. Samay Electronics Pvt. Ltd., Morbi, Gujarat.
- M/s. Crompton Greaves Ltd. Lighting Division, Baroda, Gujarat.
- M/s. H.Q. Lamp Mfg. Company, Haridwar, Uttranchal.
- M/s. Starlite Lighting Ltd., Nasik, Maharashtra.
- M/s. MORBI Chamber of Commerce & Industry Tulsi Shopping Centre, Morbi, Gujarat.
- M/s. Crompton Greaves Ltd., Mumbai.
- M/s. Bajaj Electricals Ltd., Mumbai.
- M/s. Wipro Limited, Bangalore.
- M/s. Philips Electronics India Ltd., Gurgaon, Haryana.
- M/s. Asian Electronics Electronics, Maharashtra.
- M/s. J.G. Eelectronic & Allied Ltd., Chennai.
- M/s. Devraj Enterprises (Pvt.) Ltd., Borivali (W), Mumbai.

- a. Response to this importers questionnaire and/or comments have been received from following companies –

- M/s. Delta Electronics, Noida, Uttar Pradesh.
- M/s. H.Q. Lamp Manufacturing Company, Haridwar, Uttranchal.

ix) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

x) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.

xi) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally

Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to Domestic Industry

xii) Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2006 to 31st March, 2007 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.

B. Product under Consideration

3. The product under consideration is Compact fluorescent lamps with or without ballast/control gear/choke, whether or not assembled, either in CKD or SKD conditions. Unassembled CFL without ballast/control gear/choke comprises of sealed tubular shell with or without lamp base. Finished compact fluorescent lamps are (i) integrated type with built in ballast / control gears / choke and (ii) non-integrated type without built in control gears/ballast/choke.

4. CFL is usually defined as a single-ended fluorescent lamp with a bent discharge tube of small diameter forming a very compact unit with or without built-in "ballast/ control gear/ choke" for operation. The product under consideration includes the following:

- a. CFL with integral/ integrated built in ballast / control gears /choke. These are also known as self-ballasted. These are complete, ready to use units
- b. Non-integrated CFLs which do not have built in ballast / control gears / choke. These are CFLs where lamp is electrically connected to permanently wired external ballast in the light fitting. Ballasts and CFLs in these cases are produced and sold as separate products and either product can be substituted as a replacement.
- c. Unassembled. CFL without ballast/choke/control gear comprises of sealed glass tubular shell with or without lamp base, whether or not processed further. These may be imported as bare shell or already fitted with or without other components like filaments, cap etc. forming part of CFL. Sealed glass tubular shells are within the scope of the product under consideration.

5. The petitioner, in their petition, claimed that the subject goods are produced and sold in a large number of different types and varieties. The petitioner has categorized the subject goods into following three categories:

- a. Unassembled CFL, whether or not processed further;
- b. Ready to use compact fluorescent lamps with external choke; and
- c. Ready to use compact fluorescent lamps with internal choke.

6. The petitioner further stated that CFLs are produced and sold in a large number of different wattages. Accordingly, the petitioner claimed that different product types could be distinguished in terms of the above mentioned three categories and wattages. These have been categorized into different types following a product control system (PCN system). The methodology followed is described below.

- a. Firstly, the product has been categorized into following types of CFL
 - 1- Sealed glass without lamp base
 - 2- CFL without choke
 - 3- CFL with choke

1st digit in the PCN signifies the category of CFL.

- b. Secondly, CFL of different wattage have been imported during the relevant period. Different types of CFL within each of the categories have been identified by considering the wattage of the CFL. 2 digit code has been used to identify the wattage of the CFL imported.

7. Considering the above mentioned methodology, PCNs have been identified with each known import transactions. For example:

Product category	Code	Wattage	PCN
Sealed glass without lamp base	1	20	120
CFL without choke	2	05	205
CFL with choke	3	36	336

8. A number of interested parties have represented before the Designated Authority that sealed glass tubular shells are not compact fluorescent lamps and therefore should not be included within the scope of the product under consideration. It has also been argued that sealed glass tubular shells are in fact an input raw material required for production of compact fluorescent lamps and sealed glass tubular shells and compact fluorescent lamps constitute two different products.

9. The investigation has shown that the production process involved in producing CFL is as follows:

- a. Production process up to the stage of sealed glass tubular shell includes glass tube cutting, washing & drying of glass tube, bending the tube, coating, end cleaning, tube baking, exhaust tube cutting, mount making, tube sealing, fusion, Exhausting (Vacuumization, dropping Mercury, filling Innered gases, activation of capsule), capping / basing.
- b. Production process on sealed glass tubular shell for ready to use CFL (with out choke or Core Lamp) involves starter & capacitor connection (in case of 2 pins core lamp only, but in 4 pin core lamp, starter & capacitor are not required), bottom cap fixing, cap base crimping, wire cutting, pin punching, plastic cap notching, ageing.
- c. Production process for ready to use CFL (with choke) involves affixing of choke (a choke may be out-sourced or may be produced in-house from

populated PCB) plastic bottom fixing, Cap fitting, crimping of Cap, soldering, ageing.

10. On the spot investigations were carried out at the premises of the three petitioner companies, wherein production activities were seen in detail, particularly in terms of the process identified above. The petitioner companies were directed to bifurcate their investments in plant and machinery into:

- a. Investments up to sealed glass tubular shells;
- b. Assembly operations for making ready to use CFL;
- c. Assembly operations involved in producing choke. The relevant information is showed as follows:

Figures in Rs. Lacs

Company	Havell's	Indo Asian	Osram	Domestic Industry	Share
Investments up to sealed glass tubular shells	***	***	***	***	***%
Assembly operations involved in producing choke	***	***	***	***	***%
Total Investment	***	***	***	***	100%

11. It was seen that the production activity was quite elaborate for making sealed glass tubes in comparison to the production activity involved between sealed glass tubular shell and ready to use CFL. The later was more of an assembly line operation as against production activity involved in producing sealed glass tubular shell. In case of CFL with external choke, it was noticed that the sealed glass tubular shells had far less production activity of further processing and that too in the form of addition of cap only.

12. With regard to the decisions of the Hon'ble Courts in India, the Authority notes that these decisions relate to disputes arising out of previous imposition of anti dumping duties. The product under consideration in the previous case was "ready to use" CFL and therefore questions that arose for consideration by the Hon'ble Court were whether incomplete CFL in the form of sealed glass tubular shells (with filament or with other components) can constitute "ready to use" CFL, attracting anti dumping duties. The Courts have held that these would not attract anti dumping duties, as the duties were imposed only on "ready to use" CFL. However, what is relevant in the present case is whether the Authority is justified in including an incomplete CFL within the scope of the product under consideration. The Authority notes that the Hon'ble Courts have not at any point of time held that incomplete CFL cannot be included within the scope of the product under consideration. The Authority also notes that the domestic industry filed the petition, requesting imposition of anti dumping duties on these incomplete CFL on the grounds that, with the imposition of anti dumping duties earlier on ready to use CFL, the market for CFL witnessed large scale imports of incomplete CFL in the form of imports of sealed glass tubular shells,

whether or not processed further (with or without filaments), thus causing continued injury to the domestic industry. The Authority also notes that the domestic industry earlier stated that they are not seeking extension of anti dumping duties as they intended to include other components of CFL or incomplete CFL within the scope of the product under consideration and such inclusion was possible only through a fresh petition.

13. In view of the above, the Authority provisionally concludes that the sealed glass tubular shells are nothing but incomplete compact fluorescent lamps and therefore, its inclusion within the scope of product under consideration is justified.

14. The subject goods fall under chapter 85 of the custom Traffic Act, 1975 under subheading no. 8539. The customs classification, however, is indicative only, and is in no way binding on the scope of the present investigation.

B.1 Like Article

15. The petitioner claimed that goods produced by domestic industry are like articles to the goods originating in or exported from the subject countries. The petitioner has further claimed that there is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. The two are stated to be technically and commercially substitutable and the goods produced by the petitioner companies should be treated as like articles to the product imported from the subject countries within the meaning of the Rules supra.

C. Countries involved and de-minimis

16. The Authority has determined volume and value of imports on the basis of the information received from DGC&IS for the POI. Total volume of imports determined is as follows –

Figures in Lac pcs.

	Sealed glass shell/Burners	Without choke	With choke	Total	Share%
China	928.95	15.07	120.76	1,064.78	87.86
Vietnam		1.11	52.93	54.04	4.46
Subject countries	928.95	16.18	173.69	1,118.82	92.32
Sri Lanka		0.81	30.58	31.39	2.59
Other countries	5.57	24.01	32.15	61.73	5.09
Total imports in India	934.52	41.00	236.42	1,211.94	100

17. The information contained in the petition showed that the volume of the imports from Malaysia were blow 3% of total volume of imports. As imports from

Malaysia were negligible by the reason of volume, the Authority did not consider it appropriate to initiate investigations against imports from Malaysia.

18. One of the producer/exporter from Sri Lanka argued that Sri Lanka should be dropped from the subject countries because of inclusion of compact fluorescent lamps within FTA between India and Sri Lanka. The Authority notes that the FTA agreement between the two countries does not bar anti dumping investigations. The Authority however notes that the volume of imports from Sri Lanka is below de-minimis limits (2.59%). Initially, the petitioner had provided information from DGCI&S for the period upto Dec., 2006 and from IBIS for the period Jan.-March, 2007. Full information on imports from DGCI&S has now become available for the entire investigation period, which shows that the volume of imports from Sri Lanka is de-minimis. In view of this, the Authority terminates investigations in respect of Sri Lanka in accordance with Rule 14 of the Rules. Accordingly, imports from Sri Lanka have been clubbed in other countries for the purpose of this investigation.

D. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

19. The petition was jointly filed by M/s Indo Asian Fusegear Ltd., M/s Havell's India Ltd., and M/s Osram India Pvt. Ltd. These producers produce sealed glass tubular shells and thereafter produce CFL with external chokes and CFL with integrated choke. Petitioner claimed that the subject goods are produced by a number of other companies by importing sealed glass tubular shells and carrying out remaining incremental insignificant production activities. Petitioner claimed that these companies do not undertake basic production activities and are importers of the subject goods in the form of sealed glass tubular shells in significant volumes. Petitioner has provided production information compiled by Electric Lamp & Components manufactures Association (ELCOMA). This information provided by ELCOMA showed that the goods are produced in India only by following companies:

- a. Indo Asian Fusegear
- b. Havells India
- c. Osram India
- d. Surya Roshni
- e. Phoenix

20. This petition was supported by Surya Roshni Ltd. at the stage of initiation. Subsequent to the initiation, the company has provided information with regard to imports made by them and injury information in respect of goods produced by them. Surya Roshni thus provided information as a producer of the subject goods as also as an importer of the subject goods and requested the Designated Authority to impose anti dumping duties on the goods for which petition was filed before the Authority.

21. At the stage of initiation, the Authority considered that those Indian producers who were producing the subject goods by importing sealed glass tubular shells do not constitute eligible domestic producers in as much as they are importers of the subject goods in significant volumes and these companies are not undertaking basic production activities. It was determined that the production of the applicant companies constituted more than 50% of Indian production. The Authority therefore

determined at the time of initiation that production of the petitioner companies constituted "a major proportion" in Indian production and the petition satisfied standing under Rule 5. It was further determined that the petitioner companies constituted domestic industry within the meaning of the rule 2.b read with 2.d.

22. A number of companies have represented that they are also engaged in production of compact fluorescent lamps. These companies have claimed that they have set up facilities for production of CFL and are regularly paying excise duty as manufacturers. It has also been claimed that the production activity from the stage of sealed glass tubular shells was significant and constituted complete production activity. It has been highlighted that production activity involved in production of choke itself is quite significant. It is also the claim of these parties that value addition from the stage of sealed glass tubular shells to CFL is quite significant. A number of decisions of the Hon'ble Courts in India have also been cited to establish that sealed glass tubular shell is not a ready to use CFL and is only a component. These interested parties have therefore sought exclusion of sealed glass tubular shells from the scope of the investigations.

23. As noted above, the Authority is of the opinion that the basic production activity involved in production of CFL starts from production of sealed glass tubular shells onwards. Mere assembly of these shells into CFL or assembly of choke and addition to these shells does not constitute complete production activity. Furthermore, these companies are importers of the product under consideration in significant volumes. These companies were in particular requested to provide details of the production process followed by them. Only two of the companies namely M/s H.Q. lamps and Delta Electronic responded. They have provided list of plant and machinery which is Rs. *** Lacs and Rs.*** Lacs respectively for these companies. The range of investment in plant and machinery is Rs.*** Lacs by these importers as against the investment in the plant and machinery by the petitioners in the range of Rs.*** Lacs.

24. It has also been claimed that the words "CKD or SKD conditions" stated in the initiation notification has not been defined in the initiation notification and this ambiguity has prevented the producers/ exporters in subject countries from responding to the Authority and providing relevant information.

25. As stated here in before, the production activity between sealed glass tubular shell and ready to use compact fluorescent lamps constitutes more of an assembly line operation. Moreover, sealed glass tubular shell has been considered as an incomplete compact fluorescent lamp and therefore, any company involved in production of compact fluorescent lamps using imported sealed glass tubular shells has to be considered as a company engaged in production through significant imports of the product concerned. The domestic industry has claimed that if the production activity and investment involved upto the stage of sealed glass tubular shells was insignificant; these companies should have set up facilities for production of sealed glass tubular shells as well. As these companies do not carry out basic production activities, therefore, they cannot be considered as producers of the product concerned

within the meaning of anti dumping rules. On both grounds, the Authority considers that the companies producing compact fluorescent lamps using sealed glass tubular shells imported from subject countries does not constitute eligible domestic producers for the purpose of the present investigation.

26. The Authority notes that M/s Havells and Osram have also imported the product under consideration during the relevant period. Imports made by these companies in relation to their own production, imports into India and demand in India are as under -

	Pcs in Lacs	
	Havells	Osram
Imports from subject countries	Nil	***
Imports from other countries	***	Nil
Total imports by these companies	***	***
Imports into India from all sources	***	
Production of these companies	***	***
Demand in India	***	
Share of imports by these companies in relation to		
Imports into India from all sources	2.00%	0.53%
Production of these companies	20.41%	8.33%
Demand in India	1.66%	0.44%

27. During the course of on the spot investigations at the premises of Havells, the Authority noted that Havells has imported the subject goods. These imports were reported as "outsourced" and booked as "raw material consumed". The company explained that since these were T3 type of CFL and were not being produced by the company, the company had imported these types, pending setting up of facilities for such type by the company. The company further explained that it has since commenced commercial production of these types as well and stopped imports completely after Feb., 2007.

28. The Authority notes that Havells has made these imports from Sri Lanka. As noted above, (based on full volume of imports which has now become available for the entire investigation period) the volume of imports from Sri Lanka itself is de-minimus. There are no imports by the company from any other source. The Authority holds that the imports made by Havells were insignificant and are from a country from where the entire volume of imports itself is de-minimus.

29. As regards Osram, the Authority notes that the imports made by the company are insignificant in relation to total production activity of the company. The company has imported those models of CFL which the company is not producing in India.

30. The Authority also notes that a company which is entirely dependent on imports of sealed glass tubular shell for production of compact fluorescent lamps must be distinguished with a company whose general emphasis is production in India and which is resorting to imports to supplement its production line.

31. In view of the above, the Authority provisionally holds that both Osram and Havells constitute eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

32. On the basis of the above, the Authority has determined the standing of the applicant and concludes that the applicant satisfied standing requirements under the rules. Further, the petitioner companies constituted domestic industry within the meaning of the rules.

E Other submissions and issues raised

33. It has been argued that the notice of initiation was not placed on the website and thus depriving some interested parties from responding to the Authority. It is noted that notice of initiation was published in the Gazette of India and was sent to a large number of known interested parties. Furthermore, the Authority allowed time for submissions to all those interested parties who made a request for the same.

34. It has been argued that the Govt. of India has now made application of BIS standards mandatory and therefore there is no necessity of imposition of anti dumping duty. The Authority considers that application of BIS standards does not imply that the product can no longer be exported at dumped prices.

F. China-RP and Vietnam

Normal Value

35. Response to the questionnaire was filed by the following companies –

- a. M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.
- b. M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China
- c. M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.
- d. M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

36. M/s. Suqian Deda Lighting Co. Ltd., Jiangsu, China and Hangzhou Linan Dongfeng Lighting Factory China also responded to the Initiation and requested time for filing response, which was also provided. However, these companies did not submit any questionnaire response. None of the producers/exporters from Vietnam filed questionnaire response.

G.1 Examination of market economy claims

37. The Authority notes that in the past three years China PR and Vietnam have been treated as non-market economy countries in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China and Vietnam have been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of preliminary determination.

38. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China/ Vietnam provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China/ Vietnam are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. The decisions of concerned firms in China PR/ Vietnam regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

39. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China have submitted their questionnaire responses and market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. There is however no response from any Producer/ Exporter from Vietnam. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

China PR**Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.**

40. M/s Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject

goods. The company has significant domestic sales of the product under consideration during the POI. The response of the company was examined and a letter was issued to the company on 30th Jan., 2008 requesting for certain additional information/clarification from the company. In the said letter the responding company was asked inter alia to provide information on details of the status of the shares held by State owned entity, valuation of the assets and method of transfer/sale of the property etc. No response has however, been received from the company.

41. Examination of the MET claim of the company shows that the company has significant direct or indirect state ownership. No details of these have been provided by the company. It is also noted that another related company is also engaged in production and/or sale of the product under consideration in the domestic market, no details of which have been provided to the Authority. The Authority notes that there are also significant issues regarding the status of the ownership of the responding company, which needs detailed examination and verification.

42. Pending examination of the above issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer-exporter from China cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China

43. M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. The company has significant domestic sales of the product under consideration during the POI. The response of the company was examined and a letter was issued to the company on 30th Jan., 2008 requesting for certain additional information/clarification from the company. In the said letter the responding company was asked inter alia to provide information on domestic sales details, questionnaire response (including market economy questionnaire) of the exporter, and ownership status of the exporter. No response has however, been received from the company.

44. Examination of the MET claim of the company shows that the company has sold goods through a trader in China. No questionnaire response has been provided by the exporter. In reply to deficiency response also, no response of the exporter has been provided to the Authority. The Authority notes that market economy treatment examination cannot be carried out for the company without response to questionnaire from the exporter concerned.

45. Pending relevant information from the exporter concerned, examination of the same by the Authority, and verification of the information filed, the Authority is of the view that this producer cannot be granted market economy status for the purpose of preliminary determination.

M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR and M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

46. Response to market economy status questionnaire was filed by both these companies. These companies were earlier examined by the Authority at the time of earlier investigation or new shipper review investigations, wherein the Authority has granted market economy treatment to these companies. The determination of market economy earlier made by the Authority has not been challenged, nor has the domestic industry raised any issues with regard to market economy status of these companies.

47. Pending verification of the information, the Authority is of the view that these producers can be granted market economy status for the purpose of preliminary determination.

Vietnam

48. As stated here in before, none of the exporters/producers from Vietnam have responded to the Authority. None of these parties have provided any information with regard to market economy status of these companies. The Authority is therefore unable to consider market economy status claim of Vietnam (companies) in accordance with para 8 of Annexure-I.

G.2. Normal value in case of non market economy companies

49. As stated above, there are significant issues relating to market economy determination in respect of Foshan Electrical & Lighting and Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, which requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporters and producers in respect of their market economy claims and individual treatment claims, for the purpose of the preliminary finding, the authority has provisionally estimated the normal value in China on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

50. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties

to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

51. The Authority indicated, in Para 5 of the initiation notification, that it envisaged to consider European Union as an appropriate market economy country for the purpose of establishing normal value in respect of China and Vietnam. Interested parties were invited to offer their comments on this choice of market economy third country. However, none of the interested parties, except the applicants, have placed sufficient material before the Authority to consider European Union as an appropriate market economy third country for the above purpose. Even though the petitioner provided information with regard to the selling price of the subject goods in European Union, the Authority notes that mere price list of these goods in EU that too for a product of this nature, is insufficient to determine normal value for the purpose of preliminary determination.

52. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination, the Authority proceeds to provisionally determine the normal value in China on reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure I to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all these exporters (except Phillips Yaming and Osram China) from China has been provisionally constructed based on facts available. The Normal Value has been constructed taking into account available international price of all the major inputs. Consumption norms, conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry have been adopted for determination of the normal value. Separate normal value has been determined for each type of the product under consideration. After adding a reasonable profit margin of **%, constructed weighted average normal value separately for Sealed glass shells, CFL without choke and CFL with Choke works out to as under:

Particulars	Rs/Pc		
	Sealed glass shell	CFL w/o Choke	CFL with choke
Raw materials	***	***	***
Conversion Cost	***	***	***
SGA exp & Finance cost	***	***	***
Profit @ **%	***	***	***
CNV Per Pc	***	***	***
@ Exchange Rate Rs 45.60	***	***	***

53. The normal value has been worked out separately in each category by bifurcating into wattages. The position is as follows: Rs/PC

Particulars	Sealed Glass shell	CFL without Choke	CFL with choke
Up to 10 watt /	***	***	***
11 Watt to 20 watt	***	***	***
21 watt to 26 watt	***	***	***
Weighted average	***	***	***

G.3. Normal value in case of market economy companies

54. Normal value in case of Phillips & Yaming Lighting and Osram China Lighting has been determined on the basis of questionnaire responses filed by these companies. Weighted average selling price in the domestic market, separately for each type, has been determined on the basis of sales made by these companies in the domestic market. Price adjustments have been claimed on account of inland freight, insurance, storage etc. which have been allowed pending further examination and verification. The normal value has been determined at ex-factory level.

H.1. Export price for the responding exporters

55. The Authority examined whether the export price in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. Following companies provided information with regard to export price to India.

- a. M/s. Foshan Electrical & Lighting Co. Ltd., China.
- b. M/s. Yanyang Electronic Fluorescent Lamp Factory, China
- c. M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.
- d. M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.

56. M/s Yanyang Electronic has not directly exported the product under consideration. The exports have been made through another company, who has not responded to the Authority. The company had exported CFL with external choke only. The exporter has not provided any information in response to the deficiency raised by the Designated Authority in this regard. Under the circumstances, the Authority considers that it is not possible to determine export price for Yanyang Electronic on the basis of questionnaire response filed by the company. In case of M/s Foshan, the company had exported Sealed glass shells/ Burner only. The export price claimed with adjustments subject to verification have been allowed for the purpose of preliminary findings. The export price in respect of M/s Philips and Osram have been determined on the basis of questionnaire responses filed by the responding exporters however since both these companies have exported the goods to their related companies in India who have resold these goods after importation, the export

[illegible]

60. The weighted average for all categories comes to ***%.

Vietnam – all producers/exporters

Rs/Pc

Particulars	CFL without choke	CFL with choke
CNV	***	***
Ex factory Export price	***	***
Dumping margin	***	***
Dumping margin %	***	***

61. The weighted average DM % comes to ****%.

62. The overall position is as follows:

Name of the company	Dumping margin Range
China	
M/s. Osram China Lighting Ltd., China PR.	14-18%
M/s. Phillips & Yaming Lighting Co. Ltd., China.	40-45%
Other exporters/producers from China	84-89%
Vietnam – all producers/exporters	65-70%

63. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

J.1. Views of the domestic industry

64. The followings are the views of domestic industry: -

- a. Export price from the subject countries has remained at dumped level during injury period. Further, these prices have not increased proportionate to increase in input prices from base period to POI.
- b. Production, sales volumes and capacity utilization of the domestic industry are showing improvements because of imposition of anti dumping duty and growth in the market.
- c. Profit/Loss (PBT and PBIT) of the domestic industry have shown significant decline from base period to POI.
- d. Market share of the domestic industry declined. This is due to the fact that dumped imports have captured significant market share of demand in India.
- e. Import from each of the subject countries has been undercutting the prices of the domestic industry to a significant degree.
- f. Imports from the subject countries have forced the domestic industry to reduce the price steeply during 2005-06 and proposed investigation period. Thus, the imports were depressing the prices in this period.
- g. Demand and market share: - Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.

- h. Growth: - Growth of the domestic industry in a volume parameters shows positive trend, whereas the same is negative in respect of price trends.
- i. There is significant increase in the import volumes in absolute terms.
- j. Price undercutting is significant. In spite of offering sub-optimal prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product.

J.2. Examination by the Authority

J.2.1: Preliminary remarks

65. Anti dumping duty was earlier recommended on ready to use CFL. The duties remained in force till 20th December, 2006. The domestic industry earlier represented that non inclusion of sealed glass tubular shells within the scope of the product under consideration has led to continued injury to the domestic industry, as a number of companies have set up assembly facilities in the Country and have started producing and selling CFL by importing the product at semi finished penultimate stage. It was also represented that the production activities from the stage of sealed glass tubular shells and ready to use CFL was quite insignificant, as is established between the production process involved upto the stage of ready to use without choke CFL. It was also represented that the comparison of sealed glass tubular shells with ready to use with choke CFL was misleading, as chokes are an electronic component and constituted separate production activities in itself. There are a large number of electronic component producers in the Country, who could provide choke as a ready to fit item. The domestic industry therefore submitted that non inclusion of sealed glass tubular shells within the scope of the product under consideration has led to a situation where even though there was anti dumping duty in place on the product, the producers continued to suffer injury from such continued dumping of semi finished product.

66. Domestic industry has drawn attention of the Authority to a number of decisions of the CESTAT and High Courts in this regard. In a number of these judgments, it has been held that imposition of anti dumping duty on imports of burners was justified. At the same time, there were judgments stating that collection of anti dumping duty on imports from burners was not justified. Domestic industry has also drawn the attention of the Authority to the circular issued by the CBEC wherein customs port authorities were earlier directed to collect anti dumping duty on imports of semi finished CFLs also. Domestic industry has argued that this was the position even when anti dumping duty was applicable on finished/ ready to use CFL. However, given that there was no anti dumping duty on ready to use CFL, customs authorities gradually agreed to allow imports of semi finished CFL or burners. Resultantly, more & more companies set up assembly facilities and became CFL producers, causing unfair competition to the Indian Producers. Domestic industry has represented that these producers are getting access to semi finished CFL in the form of burners at dumped prices and thereafter are unfairly competing with the domestic industry. Resultantly, whereas overall growth in the product is there, the growth of the domestic industry retarded affecting its profitability gradually.

J.2.2. Cumulative assessment of injury

67. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations,

the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that

- a. The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

68. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. Cumulative assessment of imports is appropriate in the present case. The Authority has taken note of various arguments put forth by the Domestic Industry. There was no response from other interested parties in this respect.

69 Annexure II of the AD Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of both:

- a. The volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and
- b. Consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

70. The Authority while examining the volume of dumped imports is required to examine whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

71. For the purpose of injury analysis the Authority has examined cumulative effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of industry to evaluate the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

72. Since significant dumping margins have been established for the exports from the subject countries, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal link examination.

J.2.3. Volume Effect of dumped imports

73. The Authority collected transaction wise details of imports of subject goods from DGCI&S. Volume of imports has been determined by cumulating imports of all

types of the product under consideration. The imports from China PR and Vietnam are more than de minimis limits individually.

J.2.4. Import Volumes and share of subject countries

74. Imports from each of the subject countries and their share in total imports have been as under –

Figures in Lac Pcs.

Countries	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
China	161.62	366.38	752.65	1,064.78
Vietnam	14.83	14.86	55.26	54.04
Subject Countries	176.45	381.24	807.91	1,118.82
Trend	100	216	458	634
Other countries	268.56	78.87	124.15	93.12
Trend	100	29	46	35
Total Imports	445.01	460.11	932.06	1,211.94
Trend	100	103	209	272
Market Share in Imports				
China	36.32	79.63	80.75	87.86
Vietnam	3.33	3.23	5.93	4.46
Subject Countries	39.65	82.86	86.68	92.32
Trend	100	209	219	233
Other countries	60.35	17.14	13.32	7.68
Trend	100	28	22	13
Production of DI	***	***	***	***
Imports from subject countries	176.45	381.24	807.91	1,118.82
Imports from subject countries as a percentage of production of DI	***	***	***	***
Break down of imports				
<input type="checkbox"/> Sealed glass tubular shells	***	***	***	***
<input type="checkbox"/> Ready to use CFL	***	***	***	***

75. It is found that cumulative imports from subject countries have increased significantly in absolute terms and in relation to imports in India. Imports from China-RP and Vietnam constituted 87.86%, and 4.46% respectively in the POI. It is also noted that whereas imports of ready to use CFL declined, imports of sealed glass tubular shells increased multifold. It is thus evident that more and more companies in India have started importing CFL in semi finished stage and doing processing activities in India.

J.2.5. Demand, Output and Market Shares

76. Share of imports in relation to demand/consumption in India and share of imports in relation to production in India was examined. Relevant information is given below.

J.2.6. Growth In Demand

77. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian Industry and imports from all countries. The Authority notes that sealed glass tubular shells represents semi finished CFL and therefore sales of other Indian Producers has been considered on the basis of imports of sealed glass tubular shells. Demand so assessed comes as follow

Figures in Lac Pcs.

Domestic Industry	***	***	***	***
Subject Countries	***	***	***	***
Other Countries	***	***	***	***
Total Import	***	***	***	***
Total Demand	***	***	***	***
Trend	100	113	220	281

78. The Authority notes that demand for the subject goods has been growing significantly. It grew by 181% over the injury period.

J.2.7 Share of imports in demand/consumption and production

79. The Authority determined share of imports in relation to production and consumption in India. Relevant information is given below –

		Figures in Lac Pcs.			
		2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Increase in production		***	***	***	***
Increase in demand		***	***	***	***
Increase in imports		***	***	***	***
<input type="checkbox"/> Subject countries		***	***	***	***
<input type="checkbox"/> Other countries		***	***	***	***

80. The Authority notes that the subject imports have increased far more than the production in India.

J.2.8. Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

Figures in Lac Pcs.				
	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Installed Capacity	***	***	***	***
Trend	100	172	214	299
Production	***	***	***	***
Trend	100	172	308	322
Capacity Utilization %	***	***	***	***
Trend	100	100	144	108
Demand in India	***	***	***	***
Increase in				
<input type="checkbox"/> Demand		***	***	***
<input type="checkbox"/> Capacity		***	***	***
<input type="checkbox"/> Production		***	***	***
<input type="checkbox"/> Imports of burners		***	***	***

81. The Authority notes that capacity and consequently production increased over the injury period. However, in comparison to previous year whereas the demand increased by ***Pcs., capacity increased by ***Pcs. and production increased by only ***Pcs.. Further, it is found that there was significant increase in imports of burner. It is thus found that production shifted more to assembly operations by import of the product at semi finished stage, thus affecting capacity enhancement in the Country.

J.2.9. Sales volume of Domestic Industry

82.

Figures in Lac Pcs.

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Domestic Industry	***	***	***	***
Trend	100	167	282	334
Increase in				
<input type="checkbox"/> Sales of domestic industry		***	***	***
<input type="checkbox"/> Imports from subject countries		***	***	***

83. It is noted that even though sales volumes of the domestic industry increased, increase in sales was far less than increase in imports. Given that 83% of imports were of semi finished CFLs, it is evident that the imports of sealed glass tubular shells has prevented increase in sales volumes of the domestic industry.

J.2.10. Market Share

84. Market share of the domestic industry over the injury period is shown below.

Figures in Lac Pcs.

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Domestic Industry	***	***	***	***
Subject Countries	***	***	***	***
Other Countries	***	***	***	***
Total Import	***	***	***	***
Total Demand	***	***	***	***
Trend	100	113	220	281

Share in Demand				
Domestic Industry	***	***	***	***
Trend	100	148	128	119
Subject Countries	***	***	***	***
Trend	100	191	208	225
Other Countries	***	***	***	***
Trend	100	26	21	12
China	***	***	***	***
Vietnam	***	***	***	***
Subject Countries	***	***	***	***
Trend	100	191	208	225

85. It is noted that market share of domestic industry increased significantly between 2003-04 and 2004-05, which was more on account of market share lost by other countries. However, after 2004-05, the domestic industry was unable to increase its market share. In fact, the same declined.

K.1. Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

86. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

87. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries. In view of significant price difference between different types of the product under consideration, the analysis has been done separately for sealed glass tubular shells, ready to use with & without choke CFL for different watt. The product has been further grouped into three categories in respect of wattage – (a) upto 10 watt,

(b) 11 watt and upto 20 watt, (c) above 21 watt. Separate price comparison has been done in respect of each type. Thereafter, weighted average margin has been determined on the basis of associated volumes.

K.2. Price undercutting and underselling effects

Figures in Rs./PC

	Sealed Glass without lamp base	Without choke CFL	With choke CFL	Total Weighted Average
Net sales realization (POI)	***	***	***	***
Landed price				
China	***	***	***	***
Vietnam		***	***	***
Total subject countries	***	***	***	***
Price undercutting				
China	***	***	***	***
Vietnam		***	***	***
Total subject countries	***	***	***	***
Price undercutting %				
China	***	***	***	***
Vietnam	***	***	***	***
Total subject countries	***	***	***	***
Non Injurious Price	***	***	***	***
Price Underselling				
China	***	***	***	***
Vietnam		***	***	***

Total subject countries	***	***	***	***
Price Underselling %				
China	***	***	***	***
Vietnam	***	***	***	***
Total subject countries	***	***	***	***

88. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted.

89. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject countries. The price undercutting from subject countries was in the range of 40-60% during POI.

90. For the purpose of price underselling the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was in the range of 53-66%.

K.3. Price suppression and depression effects of the dumped imports:

91. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

92. The Authority notes that there were upward trends in the cost of sales during the injury period. The cost of sales which was 100 (indexed) in the base year went up to 109% in the POI. The Authority notes that decrease in the selling price was not more than the cost up to 2004-05, thereafter the increase in selling price was not proportionate to the increase in cost. The trend of cost of production shows that weighted average cost of Production rose by ***% during POI as compared to base year whereas the selling price had increased only by ***% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of production.

L. Examination of Other Injury Parameters

93. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

L.1. Profits**Figures in Rs.**

Cost of sales	***	***	***	***
Trend	100	88	101	109
Selling Price	***	***	***	***
Trend	100	86	98	105
Profit/Loss	***	***	***	***
Trend	100	(96)	(352)	(334)
PBIT	***	***	***	***
Trend	100	52	(36)	(71)
Cash Profit	***	***	***	***
Trend	100	58	(25)	(11)

94. The data indicate that weighted average cost of sales of the domestic industry went up by 9% during POI as compared to base year against which the weighted average selling price increased only by 5% during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales (PBIT), which was 100 (indexed) in 2003-04 declined to 52 in 2004-05 and to loss in subsequent years. The Authority notes that there has been significant deterioration in the profitability of domestic industry during the POI as compared to base year 2003-04.

L.2. Return on investment

Figures in Rs.Lacs

PBIT	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	52	(36)	(71)
Net Fixed Assets	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	113	125	151
Working Capital	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	89	95	115
Capital Employed	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	105	115	139
Return on Capital Employed(%)	5.36	2.68	(1.67)	(2.74)
Trend (Indexed)	100	50	(31)	(51)

95. The Authority notes that there has been continued decline in the return on capital employed earned by the domestic industry. The return on capital employed, which was 100 (indexed) in the year 2003-04 declined sharply to 51 in POI.

L.3 Productivity

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Productivity per employee (Pcs)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	150	263	275

96. The data on production per employee shows that the productivity increased significantly over the period.

L.3.1 Employment and wages

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Employment (Manpower strength)	***	***	***	***

Trend (Indexed)	100	141	169	196
Wages (Rs.Lacs)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	170	347	550

97. The employment level shows significant change in line with increase in production. The wage increase is commensurate with increase in no. of employees and production during POI as compared to base year.

L.3.2 Inventories

	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Average Stock (Lac Pcs)	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	142	309	413
Average Stock in terms of No of Days' sales	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	85	109	124

98. The trends in the average inventory show that average inventory increased more than three times over the period. The Authority notes that at the beginning of POI the opening inventory was equal to about 2 days sales, which went up to about 19 days sales at the close of POI. In other words, during POI there has been accumulation of inventory as the closing inventory was nearly 8 times the opening inventory, which reflects an adverse off take.

L.3.3. Growth

99. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in capacity, production & sales were positive. However, growth in profits, return on investments and cash profits was negative. Further, even though growth in capacity, production and sales volumes was positive, it is noted that the growth in demand was far more than growth of the domestic industry.

L.4. Investment

100. The authority notes that the domestic industry seeing the growth potential in the product increased its capacity of subject goods from base year to POI. The fresh investment by the domestic industry during the period of investigation is as follows:

Rs. In Lacs

Fresh Investment		***	***	***
Trend (Indexed)		100	74	128

L.5 Magnitude of Dumping

101. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

L.6. Factors affecting prices**L.6.1. Conclusion on injury**

102. Imports of subject goods increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to total imports into India, production and consumption in India. Further, there was significant increase in imports of burners, which constitutes semi finished CFL. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from China and anti dumping duties were in force throughout the injury period. However, there were no anti dumping duties on imports of semi finished CFLs or burners. Performance of the domestic industry improved in terms of capacity, production, capacity utilization, and sales volumes. However, improvements in these parameters were far less than improvements in demand in the Country. Market share of the domestic industry first improved and thereafter declined. Performance of the domestic industry deteriorated in terms of profits, cash profit and return on investments.

103. On the basis of above analysis, the Authority provisionally concludes that the performance of the domestic industry deteriorated over the injury period, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

M. Causal Link

104. In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by domestic industry and in accordance with article 3.5 of Agreement on Anti-Dumping and as per Para (v) of Annexure-II under Rule 11, under Customs Tariff Act as amended, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation of the domestic industry. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

M.1 Examination of Other Known Factors**M.2. Volume and prices of imports from other sources**

105. The Authority notes that out of total imports, the volumes of imports from other countries are 6% during POI. The Authority notes that the imports from other countries also have been contributing to the injury of the domestic industry.

M.3. Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

106. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during POI. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. The demand of subject goods has shown growth of 181% over the injury period. There is no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

M.4. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

107. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. Imports of semi finished CFL are being sold in the same market as finished ready to use CFL and are also competing with the domestic industry.

108. The Authority notes that no evidence of restricted practice prevalent in the industry, which could be attributed to the injury to the domestic industry, has been brought to the notice of the Authority.

M.5. Development in technology

109. On the basis of examination of the records, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

M.6. Export performance

110. The Authority notes that the export volumes of the domestic industry were insignificant during the POI. Performance with respect to various economic indicator has been determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority provisionally holds that material injury suffered by the domestic industry may not be as a result of the export performance of the domestic industry.

M.7. Productivity of the Domestic Industry

111. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has significantly increased.

112. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has been brought to the knowledge of Authority. It is thus provisionally concluded that the imports from the subject countries have caused material injury to the domestic industry.

M.8. Conclusion On Causation

113. The Authority notes that imports of CFL were significantly undercutting the prices of the domestic industry. It is also noted that the landed price of semi finished CFLs were significantly below the cost of production of the domestic industry upto this stage. As a direct consequence, volume of imports increased significantly. The increase was more pronounced in respect of semi finished CFL. Consequently, market share, profit/loss, cash profits, return on investment, which should have improved given the anti dumping duties earlier imposed, rather declined over the injury period. Further, even though capacity, production, capacity utilization and sales volumes increased, the same were far below the market growth. Dumped imports have affected growth of the domestic industry in the Country.

N. Magnitude of Injury Margin

114. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

N.1. Injury margin Calculations

115. The wattage wise injury margin calculations are as follows:

China PR

Rs/Pcs

	Sealed Glass shells			CFL without Choke			CFL with Choke		
NIP	***	***	***	***	***	***	***	***	***
LV	***	***	***	***	***	***	***	***	***
IM	***	***	***	***	***	***	***	***	***
WtdAvg			***			***			***

Rs/Pcs

Vietnam

Particulars	CFL without Choke	CFL with choke
NIP	***	***
Landed value	***	***
Injury margin	***	***

Rs/Pcs

116. The overall position is as follows:

Name of company	Injury Margin (Glass without lamp base)	Injury Margin (without choke CFL)	Injury Margin (with choke CFL)
China-RP	***	***	***

Vietnam	--	***	***
---------	----	-----	-----

O. Conclusions

117. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value.

B. The domestic industry has suffered material injury;

C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

P. Indian industry's interest & other issues

118. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

119. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

Q. Recommendations

120. The Authority notes that the investigation was initiated, notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

121. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

122. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and the landed value is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

R.1. Duty Table

SN	Sub. Heading	Description	Specification and Suborigin specification	Country Of origin	Country Of export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	8539	Compact Fluorescent Lamps (note below)	Finished lamp without choke 11 to 20 watt	China	China	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	43.12	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp without choke 11 to 20 watt	China	China	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	Any.	43.12	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp without choke 11 to 20 watt	China	China	Any.	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	43.12	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-Up to 10 watt	China	China	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	54.67	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-Up to 10 watt	China	China	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	Any.	54.67	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-Up to 10 watt	China	China	Any.	Philips & Yarning Lighting Co. Ltd.	54.67	Per Pc	INR

	-do-	-do-	Finished lamp With choke-11 to 20 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	61.17	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-11 to 20 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Any	61.17	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-11 to 20 watt	China	China	Any	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	61.17	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-21 to 26 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	88.52	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-21 to 26 watt	China	China	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	Any	88.52	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-21 to 26 watt	China	China	Any	Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.	88.52	Per Pc	INR
2	-do-	-do-	Finished lamp With choke-Up to 10 watt	China	China	Osram China Lighting Co. Ltd.	Osram China Lighting Co. Ltd.	58.07	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-Up to 10 watt	China	China	Osram China Lighting Co. Ltd.	Any.	58.07	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-Up to 10 watt	China	China	Any	Osram China Lighting Co. Ltd.	58.07	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-11 to 20 watt	China	China	Osram China Lighting Co. Ltd.	Osram China Lighting Co. Ltd.	66.96	Per Pc	INR

	-do-	-do-	Finished lamp With choke-11 to 20 watt	China	China	Osram Lighting Co. Ltd.	China	Any	66.96	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke-11 to 20 watt	China	China	Any.	Osram Lighting Co. Ltd.	China	66.96	Per Pc	INR
3	-do-	-do-	Burner- Up to 10 watt	China	any	any other than above	any other than above		17.83	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Burner- 11 to 20 watt	China	any	any other than above	any other than above		19.56	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Burner- 21 to 26 watt	China	any	any other than above	any other than above		20.95	Per Pc	INR
4	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- Up to 10 watt	China	any	any other than above	any other than above		21.61	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- 11 to 20 watt	China	any	any other than above	any other than above		22.82	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp Without choke- 21 to 26 watt	China	any	any other than above	any other than above		23.84	Per Pc	INR
5	-do-	-do-	Finished lamp With choke- Up to 10 watt	China	any	any other than above	any other than above		58.86	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke- 11 to 20 watt	China	any	any other than above	any other than above		60.77	Per Pc	INR
	-do-	-do-	Finished lamp With choke- 21 to 26 watt	China	any	any other than above	any other than above		88.37	Per Pc	INR
6	-do-	-do-	Finished lamp Without	Vietnam	Vietnam	any	any		21.86	Per Pc	INR

			choke-Up to 26 watt							
7	-do-	-do-	Finished lamp With choke- up to 26 watt	Vietnam	Vietnam	any	any	72.16	Per Pc	INR

Note : Scope of the product subject to duty is Compact Fluorescent Lamps with or without ballast/control gear/choke, whether or not assembled, either in CKD or SKD conditions, including unassembled CFL without ballast/choke/control gear, sealed tubular shell with or without lamp base. Finished compact fluorescent lamps are:

- (i) integrated type with built in ballast/control gears/choke and
- (ii) (ii) integrated type without build in control gears/ballast/choke.

S. Further Procedures

123. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- b. Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority